उज्जैन
रविवार
04
अक्टूबर, 2026
मूल्य- 2 रु.
वर्ष-12
अंक-331
मालवा डिवीजन 402/2024-2026
आर एन आई क्रमांक 2013/57651

दैनिक ब्रह्मास्त्र

3 इंदौर के कार्यक्रम में वर्चुअली जुड़ेंगे पीएम नरेंद्र मोदी

7 एशियन गेम्स : 24 साल बाद लड़कों से आगे हुई भारत की लड़कियां



नुसरत भरूचा की सर्जरी होगी

ब्रह्मास्त्र ▸▸ मुंबई

एक्ट्रेस नुसरत भरूचा हाल ही में बाली में एक हादसे का शिकार हो गईं। वह काम और छुट्टियों से जुड़े दौरे पर बाली गई थीं। हादसे के बाद उन्हें स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनकी रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर हुआ है। जिसके बाद आगे की सर्जरी के लिए उन्हें मुंबई लाने का फैसला किया गया। इसके लिए एयर एंबुलेंस की व्यवस्था की गई। 2 अक्टूबर 2026 को वह एयर एंबुलेंस से मुंबई पहुंचीं। गौरतलब है कि इससे पहले भी कई एक्ट्रेस हादसों में घायल हो चुकी हैं। हादसे के बाद एक्ट्रेस अन्नू अग्रवाल की याददाश्त चली गई थी। तो वहीं महिमा चौधरी के चेहरे से 67 कांच के टुकड़े निकाले गए थे। 1990 की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'आशिकी' से रातों-रात मशहूर हुईं अभिनेत्री अनु अग्रवाल के साथ साल 1999 में दर्दनाक हादसा हुआ था। मुंबई में एक लेट-नाइट पार्टी से लौटते समय अनु अग्रवाल की कार का गंभीर एक्सीडेंट हुआ था। इस हादसे में उनके शरीर में कई जगह फ्रैक्चर हुए, उनका चेहरा बुरी तरह प्रभावित हुआ और सिर व दिमाग में अंदरूनी चोटें आईं। दुर्घटना के बाद वह 29 दिनों तक कोमा में रहीं।

देश

- **रिपोर्ट-** एआई से मिनटों में साइबर अटैक, सरकारें टॉप टारगेट, डिफेंस सेक्टर में रैनसमवेयर पांच गुना बढ़ा, वॉइस फिशिंग 502% बढ़ी, क्यूआर फिशिंग के 14.5 करोड़ हमले
- **यूपी** के लखनऊ में बाढ़, 10 हजार लोगों का पलायन, बिहार में 27 मौतें, 20 लापता, राजस्थान-मध्य प्रदेश समेत 4 राज्यों से मानसून की विदाई
- **दिल्ली** पुलिस अफसर पर महिला पत्रकार से बदसलूकी का आरोपः दावा- सीने पर हाथ मारा एफआईआर को लेकर घंटों प्रदर्शन, राहुल गांधी बोले- शाह जवाब दें
- **पाकिस्तानी** आतंकी नेटवर्क से जुड़ा कर्नाटक का युवक गिरफ्तार, व्हाट्सएप-इंस्टाग्राम पर हथियार तस्करी और बिक्री को लेकर बातचीत का आरोप, यूपी-एमपी के युवक भी संपर्क में

विदेश

- **स्मित ने कहा-** हमलवार ने नमाज के बहाने कुल्हाड़ी मारी, नेतन्याहू ने भारतीय पायलट को फोन किया, पीएम मोदी के साथ मशाल जलाने का न्योता दिया
- **सीमा पर** गोलीबारी के बाद पाकिस्तान में भारतीय राजनयिक तलब, कहा- मारे गए लोग पाक नागरिक थे, बीएसएफ ने घुसपैठ के शक में गोली मारी थी
- **भारतीय** हाई कमिश्नर बोले- हसीना को पनाह देना मजबूरी थी, उन्हें बांग्लादेश भेजने की प्रकिया जारी, तख्तापलट के बाद 2 साल से भारत में पूर्व पीएम

व्यापार

- **ओपनएआई** के सेफ्टी एक्सपर्ट ने इस्तीफा दिया, कहा- न्यूक्लियर प्लांट जैसी सुरक्षा जरूरी, कंपनियों की जल्दबाजी इंसानों के लिए खतरा
- **कभी** एक रुपए में बिकने की नौबत आई, आज देश की शीर्ष टायर निर्माताओं में है अपोलो

कार्टून..



लंबे वीकेंड के चलते देशभर से पहुंचे श्रद्धालु, दर्शन मार्गों पर बढ़ा दबाव

रविवार को महाकाल में सामान्य दिनों से ज्यादा भीड़

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

रविवार और लंबे वीकेंड के चलते बाबा महाकाल के दरबार में श्रद्धालुओं की भीड़ सामान्य दिनों की तुलना में अधिक रही। गांधी जयंती के अवकाश के बाद शनिवार और रविवार की छुट्टियों के कारण देश के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु उज्जैन पहुंचे। शनिवार को भी मंदिर क्षेत्र में श्रद्धालुओं का दबाव बना रहा और रविवार को भी सुबह से ही दर्शनार्थियों की आवाजाही लगातार बढ़ती रही।

महाकाल लोक से लेकर मंदिर परिसर और आसपास के प्रमुख मार्गों पर श्रद्धालुओं की भीड़ दिखाई दी। बड़ी संख्या में श्रद्धालु परिवार के साथ बाबा महाकाल के दर्शन के लिए पहुंचे।



रविवार होने के कारण सुबह से ही दर्शन मार्गों पर कतारें बढ़ती गईं। भस्म आरती में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने बाबा के विशेष स्वरूप के दर्शन किए। रविवार को बाबा महाकाल का भांग से सूर्य के समान विशेष श्रृंगार किया गया।

शुक्रवार को ढाई लाख से अधिक ने किए दर्शन

लंबे वीकेंड के असर का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि शुक्रवार को ही 2.5 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के बाबा महाकाल के दर्शन करने की जानकारी मंदिर प्रशासन की ओर से दी गई। अचानक बढ़े जनदबाव के कारण हरसिद्धि चौराहा क्षेत्र में बैरिकेड भी गिर गया था, हालांकि किसी बड़े हादसे की सूचना नहीं रही। भीड़ बढ़ने पर शीघ्र दर्शन के काउंटरों की संख्या भी एक से बढ़ाकर पांच की गई थी।

दिनभर बना रहेगा श्रद्धालुओं का दबाव

रविवार की छुट्टी और पितृपक्ष के संयोग को देखते हुए दिनभर महाकाल मंदिर क्षेत्र में श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रहने की संभावना रही। मंदिर प्रशासन की ओर से श्रद्धालुओं को निर्धारित मार्गों से दर्शन कराने तथा भीड़ वाले स्थानों पर व्यवस्था बनाए रखने के प्रयास किए गए। लंबे वीकेंड के कारण उज्जैन में होटल, बाजार और प्रमुख धार्मिक स्थलों पर भी श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ी हुई है।

यातायात और भीड़ प्रबंधन बना चुनौती

श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या का असर मंदिर के आसपास के यातायात पर भी दिखाई दिया। हरसिद्धि चौराहा सहित आसपास के मार्गों पर श्रद्धालुओं और वाहनों की आवाजाही बढ़ने से दबाव बना। सुरक्षाकर्मियों और मंदिर प्रशासन को भीड़ को व्यवस्थित करने के लिए अतिरिक्त सतर्कता बरतनी पड़ी। पितृपक्ष के चलते उज्जैन में श्राद्धकर्म के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या भी बढ़ी हुई है। 4 अक्टूबर को मातृ नवमी होने के कारण गया कोठा और सिद्धवट सहित श्राद्ध स्थलों पर भी श्रद्धालुओं की आवाजाही रही। ऐसे में रविवार को महाकाल दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं और श्राद्धकर्म के लिए पहुंचने वाले लोगों के कारण शहर में धार्मिक पर्यटन का दबाव और बढ़ा।

2029 के लक्ष्य की उज्जैन में अग्निपरीक्षा

शराबबंदी के बावजूद नशे की गिरफ्त से बाहर नहीं उज्जैन

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

मध्यप्रदेश को वर्ष 2029 तक नशामुक्त बनाने का संकल्प निश्चित रूप से बड़ा और स्वागतयोग्य लक्ष्य है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा भोपाल में की गई घोषणा के बाद नशे के खिलाफ अभियान को लेकर उम्मीद जगी है। लेकिन इस संकल्प के साथ कुछ सवाल भी स्वाभाविक रूप से खड़े होते हैं। खासकर उज्जैन जैसे धार्मिक शहर में, जहां शराब की दुकानों पर रोक के बावजूद नशे की समस्या पूरी तरह खत्म नहीं हुई है।

उज्जैन में धार्मिक महत्व वाले क्षेत्रों में शराब की बिक्री पर रोक लगाने का निर्णय लिया गया। उद्देश्य स्पष्ट था-धार्मिक नगरी की गरिमा बनाए रखना और लोगों, विशेषकर युवाओं को नशे से दूर करना। शहर में शराब की दुकानें बंद हुईं, लेकिन इसके साथ एक नया सवाल भी सामने आया है। शहर की सीमा के आसपास बड़े शराब आउटलेट खुल गए हैं। ऐसे में सवाल यह है कि शराब वास्तव में शहर से बाहर हुई है या केवल दुकानों का स्थान बदला है?

कागज पर शहर से बाहर, हकीकत में शहर का हिस्सा- उज्जैन का विस्तार पिछले कुछ वर्षों में तेजी से हुआ है। नई कॉलोनियां, होटल, ढाबे, व्यावसायिक प्रतिष्ठान और आवासीय क्षेत्र नगर सीमा से आगे तक फैल चुके हैं। जिन इलाकों को प्रशासनिक रिकॉर्ड में शहर के बाहर माना जाता है, वे व्यवहार में शहर की रोजमर्रा की गतिविधियों का हिस्सा बन चुके हैं। ऐसे में यदि शहर की आबादी से कुछ ही दूरी पर बड़े शराब आउटलेट संचालित हो रहे हैं तो यह विचार करना जरूरी है कि केवल नगर सीमा की कागजी रेखा के आधार पर उन्हें शहर से बाहर मानना कितना व्यावहारिक है। यदि शहरवासी आसानी से इन आउटलेट तक पहुंच सकते हैं तो शराब की उपलब्धता पर वास्तविक नियंत्रण कितना हुआ, इसका मूल्यांकन भी जरूरी है।

शराब बंद, लेकिन नशे का सवाल बरकरार

शराबबंदी नशे के खिलाफ एक महत्वपूर्ण कदम हो सकती है, लेकिन नशामुक्ति का दायरा केवल शराब तक सीमित नहीं है। शराब की दुकानों के बंद होने के बावजूद यदि दूसरे नशीले पदार्थों की उपलब्धता बनी रहती है तो समस्या का समाधान अधूरा रहेगा। युवाओं में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति को रोकने के लिए नशीले पदार्थों की तस्करी और बिक्री के नेटवर्क पर प्रभावी कार्रवाई जरूरी है। केवल छोटे मामलों में गिरफ्तारी से समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा। असली चुनौती उन स्रोतों और नेटवर्क तक पहुंचने की है जहां से नशीले पदार्थ शहर और आसपास के क्षेत्रों में पहुंच रहे हैं।

2029 की तारीख से ज्यादा जरूरी आज की कार्रवाई

मध्यप्रदेश को 2029 तक नशामुक्त बनाने का संकल्प बड़ा है, लेकिन उसकी असली कसौटी घोषणा नहीं, बल्कि जमीन पर दिखाई देने वाला बदलाव होगा। उज्जैन में शहर की दुकानें बंद होना एक कदम है, लेकिन यदि शहर की वास्तविक सीमा के आसपास शराब आसानी से उपलब्ध है तो व्यवस्था की समीक्षा भी जरूरी है। शहर की सीमा कागज पर जहां खत्म होती है, जरूरी नहीं कि शहर की वास्तविक सीमा भी वहीं खत्म हो। उज्जैन का विस्तार नगर सीमा से बाहर तक हो चुका है। इसलिए नशामुक्ति की नीति बनाते समय प्रशासनिक नक्शे के साथ शहर की वास्तविक बसाहट और व्यवहारिक सीमा को भी आधार बनाया जाना चाहिए। आखिर सवाल यह नहीं है कि शराब की दुकान शहर में है या शहर के बाहर। असली सवाल यह है कि आम आदमी और खासकर युवा तक शराब और अन्य नशीले पदार्थों की पहुंच कितनी आसान है। यदि पहुंच आसान बनी रहती है तो दुकान का पता बदलने से नशामुक्ति का उद्देश्य कितना पूरा होगा, इस पर गंभीरता से विचार करना ही होगा।



शहर की सीमा पर बड़े आउटलेट क्यों?

शराबबंदी के बाद शहर के आसपास बड़े आउटलेट का होना कई सवाल खड़े करता है। सरकार और प्रशासन को यह स्पष्ट करना चाहिए कि इन स्थानों का चयन किन आधारों पर किया गया है। क्या केवल नगर सीमा को आधार बनाया गया है या आसपास की वास्तविक आबादी, स्कूल-कॉलेज, आवासीय क्षेत्र, धार्मिक स्थल और शहर से जुड़ाव को भी ध्यान में रखा गया है? शहर का विस्तार जब कागजी सीमा से आगे निकल चुका हो तो नशामुक्ति की नीति भी वास्तविक शहरी सीमा को ध्यान में रखकर बनानी होगी। अन्यथा प्रशासनिक नक्शे पर शराब शहर से बाहर दिखाई देगी, लेकिन व्यवहार में उसकी उपलब्धता शहर के आसपास ही बनी रहेगी।

भाजपा सरकार से सवाल भी

मध्यप्रदेश में भाजपा की सरकार है और केंद्र में भी भाजपा की सरकार है। पुलिस, प्रशासन, कानून और जांच एजेंसियों की पूरी व्यवस्था सरकार के पास है। ऐसे में सवाल यह भी है कि यदि प्रदेश को 2029 तक नशामुक्त बनाना लक्ष्य है तो इसके लिए इतना लंबा समय क्यों? अब तक नशे के खिलाफ हुई कार्रवाई का वास्तविक परिणाम क्या रहा? कितने बड़े सप्लायर और नेटवर्क तक कार्रवाई पहुंची? युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए क्या स्थायी व्यवस्था बनाई गई? और अगले तीन वर्षों में ऐसा क्या अलग किया जाएगा जिससे नशे की उपलब्धता और लत में निर्णायक कमी आए? इन सवालों के जवाब इसलिए भी जरूरी हैं क्योंकि नशामुक्ति का लक्ष्य केवल सरकारी घोषणा नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ी के भविष्य से जुड़ा विषय है।

सिर्फ कार्रवाई नहीं, रोकथाम भी जरूरी

नशे के खिलाफ पुलिस कार्रवाई अपनी जगह जरूरी है, लेकिन इसके साथ रोकथाम पर भी उतना ही ध्यान देना होगा। स्कूल-कॉलेजों के आसपास निगरानी, युवाओं के बीच जागरूकता अभियान, परिवारों की भागीदारी, अवैध बिक्री पर सख्ती और नशे की लत से प्रभावित लोगों के लिए प्रभावी पुनर्वास व्यवस्था को अभियान का हिस्सा बनाना होगा। नशामुक्ति का मतलब केवल दुकानें बंद करना नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था तैयार करना है जिसमें नशे की मांग और आपूर्ति दोनों पर प्रभावी नियंत्रण हो।

सिंहस्थ से पहले बड़ी चुनौती

उज्जैन में सिंहस्थ 2028 होना है। देश-दुनिया से बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचेंगे। ऐसे में धार्मिक नगरी को नशे से मुक्त और सुरक्षित वातावरण देना प्रशासन के सामने बड़ी चुनौती होगी। शहर के भीतर शराब की बिक्री पर रोक के साथ शहर की वास्तविक सीमा तक नशे की उपलब्धता पर निगरानी, अवैध शराब और अन्य नशीले पदार्थों की सप्लाई पर कार्रवाई तथा युवाओं को नशे से दूर रखने के अभियान को और मजबूत करना होगा।

नवरात्रि के पूर्व ही लगा रहे अर्जी

दीवारों पर लिख रहे कामना

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

मां अपने बच्चे की पीड़ा को बहुत जल्दी समझ जाती है और अपने बच्चे की खुशहाली के लिए अपना सर्वस्व भी न्यौछावर कर देती है। बाबा महाकाल की पावन नगरी में ही महाकवि कालीदास की आराध्य देवी गढ़कालिका का भी मंदिर है जहां दूर-दूर से श्रद्धालु आते हैं और मनौती मांगते हैं। आश्चर्य का विषय ये है कि इस वर्ष श्राद्धपक्ष में भी श्रद्धालु बाबा महाकाल व देवी मंदिरों में दर्शन के लिए भारी संख्या में आ रहे हैं।

गढ़कालिका मंदिर की दीवारों पर ढेरों अर्जियां- कालिका देवी का अतिप्राचीन मंदिर है गढ़कालिका। नवरात्रि के दौरान यहां भक्तों की भारी भीड़ रहती है किन्तु श्राद्धपक्ष के दौरान भी लगातार भीड़ बनी हुई है। मंदिर की बाहरी दीवारों को देखने पर बड़ा ही रोचक अनुभव होता है। दीवारों पर श्रद्धालुओं ने विभिन्न रंग के पेन से अपनी मनोकामनाएं लिख दी हैं। ज्यादातर नीली व काली स्याही से भक्तों ने अपनी भिन्न-भिन्न मांग मातारानी से की है।

किसी को ऋणमुक्ति तो किसी को चाहिए मकान

गौर से इन मनौतीवाले वाक्यों को पढ़ने पर पता लगता है कि किसी को मां की सहायता कर्ज से मुक्ति हेतु चाहिए तो किसी को जल्दी ही स्वयं का मकान चाहिए। कोई श्रद्धालु मां को अर्जी में लिख रहा है कि उसे प्रतियोगी परीक्षा में सफलता दिलाई जाए तो किसी ने लिखा है मां मुझे संतान चाहिए। छात्र-छात्राओं ने भी परीक्षा में सफलता हेतु मां से अर्ज किया है। हैरत तो तब होती है जब कुछ कामनाएं मराठी व बंग्ला भाषा में भी लिखी दिखती हैं। आखिर मां तो सभी भाषा को समझने की प्रज्ञा जो है।

चेतावनी व जुर्माने की अनदेखी

मां गढ़कालिका के दरबार में ऐसी कामनाओं से रंगीन दीवारों से परेशान होकर ही मंदिर मे चेतावनी बोर्ड लगा नजर आता है जिसमे साफ लिखा है कि दीवार पर लिखना सख्त मना है और लिखते पाए जाने पर रू. 250 का जुर्माना भरना पड़ेगा। इस चेतावनी के बावजूद भक्त अपनी मां से मन की पीड़ा शब्दों से बयां करने का मोहसंवरण नहीं कर पा रहे और निरंतर दीवारें शब्दों से रंगबिरंगी होती दिखाई पड़ रही हैं।

दीप- स्तंभ पर सिक्का चिपकाने की होड़

गढ़कालिका माता मंदिर परिसर में ही दो दीप- स्तंभ हैं जिनमे नवरात्रि व अन्य पर्वों पर दीप प्रज्ज्वलित किए जाते हैं। इन्हें ही दीपमालिका भी कहा जाता है। दीपमालिका स्तंभ पर तेल चिपकने से वे चिपचिपे हो चुके हैं। बाहर से आए श्रद्धालुओं के लिए ये दीपमालाएं भी माता तक अर्जी पहुंचाने का माध्यम बनी हुई हैं। बहुत से श्रद्धालु इन दीपमालिकाओं पर सिक्के चिपका कर मनौती मांगते नजर आते हैं। देखादेखी मे एक के बाद एक श्रद्धालु सिक्के चिपकाते रहते हैं और मां से कामना पूर्ति की विनती करते हैं। आखिर मां के दरबार मे अर्जी लगाना बेटे व बेटी अपना अधिकार मानते हैं।

गांधी जयंती पर निर्मल शिप्रा के लिए क्रेन लेकर उतरी त्रिशूल शिवगण वाहिनी

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

आज उस समय उज्जैन आश्चर्यचकित रह गया जब महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर त्रिशूल शिवगण वाहिनी द्वारा चलाए जा रहे निर्मल और प्रवाहमान शिप्रा अभियान के अंतर्गत पर मंगलनाथ घाट की सफाई के लिए क्रेन उतर पड़ी। किसी संस्था द्वारा इस तरह सफाई अभियान के लिए मशीनों का उपयोग पहली बार किया जा रहा है।

क्रेन द्वारा नदी में पड़े बांस, बल्लियों और बड़े सामान को बाहर निकल गया तथा उपस्थित सदस्यों द्वारा नदी से निर्मल्या सामग्री और कचरा बाहर निकाला गया। संस्थापक त्रिशूलपाणी आदित्य नागर ने बताया कि यह अभियान लगातार जारी रहेगा, जब तक कि शिप्रा निर्मल और प्रवाहमान नहीं हो जाती। त्रिशूल शिवगण वाहिनी द्वारा 21 से 24 नवंबर तक उद्गम से संगम पर्यंत संपूर्ण शिप्रा प्रदक्षिणा यात्रा निकाली जाएगी। इस यात्रा के माध्यम से शिप्रा नदी के किनारे रहने वाले ग्राम वासियों और शहर वासियों को जागरूक किया जाएगा, जिससे वह शिप्रा को निर्मल और प्रवाहमान करने के कार्य में संस्था की मदद करें तथा प्रशासन को भी इस कार्य को प्राथमिकता से करने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने बताया कि उज्जैन की जल संरचनाओं को स्वच्छ रखना यहां के रहवासियों और आगंतुक श्रद्धालुओं का भी पुनीत कर्तव्य है। उपस्थित सभी प्रबुद्ध नागरिकों ने गांधी जयंती के अवसर पर यह शपथ ली कि वे पवित्र नगरी उज्जैन और मोक्षदायिनी शिप्रा नदी को स्वच्छ और प्रवाहमान बनाने का हर संभव प्रयास करेंगे। त्रिशूल शिवगण वाहिनी एवं अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज के नेतृत्व में यह अभियान पिछले एक सप्ताह से चलाया जा रहा है और यह निरंतर जारी रहेगा।

कथाओं को चित्रकला से समझाने का प्रयास

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

प्रेरणादायी कहानियों को छोटे बच्चों को सुनाना हमारे देश की पुरानी पद्धति रही है जिससे प्रेरणा लेकर हमारी भावी पीढ़ी बहुत कुछ सीखती थी जो उनके चरित्र गठन मे सहायक सिद्ध होती थी। समय बदला और कहानियां भी कहीं गुम हो गईं। आज संयुक्त परिवार विखण्डित होकर एकल परिवार मे सिमट गए तो दादा दादी नामक मजबूत स्तंभ जो कहानियां सुनाते थे उनका भी लोप हो चुका है। इसी समस्या को देखते हुए जातक कथाओं को चित्रकला जैसे सुदृढ़ संप्रेषण माध्यम से समझाने का प्रयास जयपुर की प्रख्यात शिक्षाविद व चित्रकार डॉ. उमा जोशी कर रही हैं।

विगत दिनों शहर की संस्था प्रतिकल्पा द्वारा आयोजित लोक- कला उत्सव में पधारीं डॉ. उमा ने कालीदास अकादमी में अपने चित्रों को सजाया जो विष्णु शर्मा के ग्रंथ पंचतंत्र की कथाओं पर आधारित रही। सुन्दर छोटे-छोटे चित्रों के द्वारा कहानियों के प्रस्तुतीकरण को सभी ने सराहा। पंचतंत्र की कथा सिंहकारक मूर्ख ब्राह्मण से संदेश दिया गया कि व्यावहारिक ज्ञान के बिना पुस्तकीय ज्ञान व्यर्थ है और कभी कभी विनाशकारी सिद्ध होता है। चार विद्वान वेदशास्त्री ब्राह्मणों में तीन पुस्तकीय ज्ञान में निपुण थे पर चौथा व्यावहारिक ज्ञान रखता था। जंगल में मृत शेर को जीवित करने के मंत्र का उच्चारण करके तीन ब्राह्मणों ने डिंग मारी, चौथे ने मना किया किन्तु वः नहीं माने। चौथे ब्राह्मण ने पलभर का समय मांगा और वो पेड़ पर चढ़ गया। शेष तीन शिष्यों ने मंत्रों से शेर को जीवित कर दिया। शेर ने दहाड़ लगाई और उन्हें मार दिया। चौथा ब्राह्मण पेड़ पर सुरक्षित रहा। इस प्रकार की विभिन्न कथाओं को तूलिका द्वारा व्यक्त करके बच्चों को पुरातन कथाओं से जोड़ने का प्रयास उमा शर्मा ने किया है। उनकी काफी बुक्स को भी सभी ने पसंद किया ।

पिशाचमोचन कुंड : अकाल मृत्यु हुए पितरों की मुक्ति का स्थान

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

भगवान शंकर के त्रिशूल पर टिकी हुई पावन बनारस नगरी धार्मिक आख्यानों व महत्व से परिपूर्ण प्राचीन नगरी है। यहां गंगा किनारे काशी विश्वनाथ का प्रसिद्ध मंदिर है। मंदिर से लगभग तीन किलोमीटर दूर पिशाचमोचन कुंड है। यूं तो वर्षभर श्रद्धालु अपने दिवंगत प्रियजनों के श्राद्धकर्म हेतु यहां आते हैं किन्तु श्राद्धपक्ष में यहां बहुत भीड होती है।

पिशाच योनि से मुक्ति का स्थान- स्कंदपुराण के काशी खंड में इस कुंड का उल्लेख है। भगवान शिव के गणेश कपर्दी ने यहां भोलेनाथ की तपस्या की थी और भगवान शंकर प्रकट हुए व कपर्दी को आशीर्वाद दिया था अतः यहां कपर्दी महादेव मंदिर भी है। पिशाचमोचन कुंड अतिप्राचीन माना गया है। अपने कर्म से एक ब्राह्मण मृत्युपरांत पिशाच बनकर भटक रहा था। ऋषि वाल्मिकी की प्रार्थना से उस पिशाच को इस तीर्थ पर आकर मुक्ति मिली थी तभी से भटकती आत्माओं की मुक्ति व मोक्ष हेतु यहां त्रिपिण्डी श्राद्ध का धार्मिक विधान है। दुर्घटना, आत्महत्या, हत्या में मारे गए लोगों के निमित्त उनके वंशज यहां श्राद्धकर्म करते हैं।

पीपल के पेड़ का महत्व



पिशाचमोचन कुंड के पास ही एक प्राचीन पीपल का वृक्ष है। श्रद्धालु, योग्य पंडित के सानिध्य मे यहां पीपल पर धातु के सिक्के व कील के माध्यम से अपने पितरों को भूत पिशाच योनि से मुक्त कराते हैं। ऐसी धार्मिक मान्यता है कि अकाल मौत के बाद भटकती आत्मा को आह्वान करके पेड़ पर बुलाया जाता है फिर नारायण बली व त्रिपिण्डी श्राद्ध द्वारा उसके लिए मोक्ष के रास्ते खोले जाते हैं। पावन तीर्थ गया जाने से पहले पिशाचमोचन कुंड में पूजन करने का विधान है। दूर-दूर से श्रद्धालु अपने पितरों की भटकती आत्मा के उद्धार की कामना से पिशाचमोचन तीर्थ आते हैं और श्राद्धकर्म करते हैं।

महाकाल श्रृंगार



त्रिशूल-त्रिपुंड, रजत मुकुट और मुण्डमाल से किया श्रृंगार

अपनेतक

नशामुक्त प्रदेश का संकल्प... सवाल भी जरूरी

मध्यप्रदेश को 2029 तक नशामुक्त बनाने का संकल्प निश्चित रूप से एक बड़ा लक्ष्य है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भोपाल में यह घोषणा करते हुए कहा कि 2029 के बाद प्रदेश के बेटे-बेटियों के जीवन में नशीले पदार्थों के लिए कोई जगह नहीं होगी।

लेकिन इस संकल्प के साथ एक स्वाभाविक सवाल भी खड़ा होता है—जब मध्यप्रदेश में आज भाजपा की ही सरकार है, तो नशामुक्ति के लिए 2029 तक का इंतजार क्यों?

सरकार के पास प्रशासन, पुलिस, कानून और पूरी मशीनरी मौजूद है। केंद्र और राज्य दोनों स्तर पर भाजपा की सरकार होने के बावजूद यदि नशे की समस्या को खत्म करने के लिए अब तीन साल का रोडमैप बनाया जा रहा है, तो यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि अब तक की कार्रवाई का परिणाम क्या रहा और आगे की रणनीति में ऐसा क्या अलग होगा जिससे लक्ष्य वास्तव में हासिल किया जा सके।

केंद्र सरकार ने 2029 तक नशामुक्त भारत के लिए रोडमैप में समयबद्ध कार्रवाई, एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स, पुनर्वास केंद्रों के विस्तार और नियमित निगरानी जैसे उपाय तय किए हैं।

संकल्प जितना बड़ा है, उसकी कसौटी भी उतनी ही बड़ी होगी। घोषणा से ज्यादा महत्वपूर्ण यह होगा कि नशे की उपलब्धता, तस्करी, बिक्री और युवाओं में बढ़ती लत पर जमीन पर कितना असर दिखाई देता है। जनता को लक्ष्य की तारीख से ज्यादा उसके रास्ते और परिणाम जानने में रुचि होगी।

ब्रिक्स सम्मेलन में दिखेगा मध्यप्रदेश के मल्लखंब का दम

उज्जैन। भारत सरकार द्वारा 12 अक्टूबर 2026 को अहमदाबाद में आयोजित होने वाले ब्रिक्स देशों के सम्मेलन में मध्यप्रदेश का मल्लखंब दल अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेगा। इस बड़े आयोजन की तैयारियों के लिए खेल विभाग की ओर से उज्जैन के लोकमान्य तिलक सांस्कृतिक न्यास में 1 से 5 अक्टूबर तक विशेष प्रशिक्षण शिविर लगाया गया है, जिसमें विशेषज्ञ प्रशिक्षक खिलाड़ियों को खेल की बारीकियों और उच्च स्तरीय तकनीकों का अभ्यास करा रहे हैं। शिविर में चयनित खिलाड़ियों को मल्लखंब की विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। खिलाड़ियों की शारीरिक क्षमता, शक्ति, संतुलन, लचीलापन और तकनीकी दक्षता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। अहमदाबाद में होने वाले इस सम्मेलन में मध्यप्रदेश का यह दल भारत की पारंपरिक खेल संस्कृति और स्वदेशी खेलों की गौरवशाली परंपरा का प्रतिनिधित्व करेगा।

सेवा संकल्प अभियान में लोकमान्य टिळक विद्यालय के छात्रों का शानदार प्रदर्शन

उज्जैन। शहर के पानदरीबा स्थित लोकमान्य टिळक विद्यालय के विद्यार्थियों ने सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित संकुल स्तरीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का परचम लहराया है।

प्रतियोगिता परिणामों के अनुसार, संकुल स्तर पर हुई भाषण प्रतियोगिता में विद्यालय के छात्र अल्तमश खान ने द्वितीय और छात्रा ऋषिका लोधी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके साथ ही, चित्रकला प्रतियोगिता में भी चेतना लोधी ने बेहतरीन कला का प्रदर्शन करते हुए सांत्वना पुरस्कार अपने नाम किया। छात्र-छात्राओं की इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार में हर्ष का वातावरण है।

गृह निर्माण मंडल की आवासीय संपत्तियों के व्यवसायिक उपयोग के मामले उज्जैन में ढेरों

हाउसिंग बोर्ड की आवासीय संपत्ति में व्यवसाय करने वालों को राहत

उपयोग परिवर्तन के लिए बनी समिति की जांच के कारण कार्रवाई रूकी, लीज उल्लंघन की कार्रवाई पर लगी रोक

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

मध्यप्रदेश हाउसिंग बोर्ड की संपत्तियों में आवासीय लीज शर्तों का उल्लंघन कर व्यावसायिक उपयोग करने वाले हजारों लोगों के लिए राहत भरी खबर है। मध्य प्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल के आयुक्त ने भोपाल से एक पत्र जारी कर लीज उल्लंघन के मामलों में चल रही समस्त कार्रवाई को आगामी आदेश तक स्थगित कर दिया है।

गृह निर्माण एवं अद्योसंरचना मंडल के आयुक्त गौतम सिंह की और से प्रदेश के सभी प्रक्षेत्र कार्यालयों को यह पत्र जारी किया है। प्रक्षेत्र कार्यालय भोपाल, ग्वालियर, इंदौर, जबलपुर और संभाग- भोपाल, सागर, ग्वालियर, मुरैना, गुना, इंदौर, धार, खंडवा, उज्जैन, रतलाम, जबलपुर, कटनी, छिंदवाड़ा, छतरपुर, रीवा, सतना, सिंगरौली, बालाघाट, शहडोल, दमोह के संपदा अधिकारी और कार्यपालन यंत्री को यह पत्र भेजा गया है।

पत्र में कहा गया है कि मंडल द्वारा दी गई लीज शर्तों के उल्लंघन पर विहित प्रक्रिया अनुसार कार्रवाई की जा रही है। लेकिन मंडल की परिसंपत्तियों के मामले में जहां नवीन भू-उपयोग या नगर विकास योजना के तहत उपयोग परिवर्तन को नियमित किया जा सकता है, उसके लिए मध्य प्रदेश नजूल भूमि निर्वर्तन निर्देश में विहित प्रावधानों की भांति एक समिति का गठन किया गया है। यह समिति ऐसे मामलों के नियमितीकरण के संबंध में सुझाव और प्रक्रिया की सिफारिश करेगी। ऐसी स्थिति में लीज शर्तों के उल्लंघन के मामलों में फिलहाल प्रचलित कार्रवाई को आगामी आदेश तक स्थगित रखा जावे।



उज्जैन में ढेरों मामले,राहत मिली

गृह निर्माण मंडल की आवासीय संपत्तियों के व्यवसायिक उपयोग के मामले उज्जैन में ढेरों हैं। मंडल आयुक्त के आदेश से उज्जैन के कानीपुरा रोड, इंदिरा नगर सहित तमाम हाउसिंग बोर्ड कॉलोनियों में आवासीय संपत्ति का व्यवसायिक उपयोग करने वालों ने राहत ली है। इन कॉलोनियों में हाउसिंग बोर्ड के मकानों में निवासरत कई संपत्ति धारक लंबे समय से व्यापार-व्यवसाय कर रहे थे, जिन्हें लीज उल्लंघन का नोटिस दिए गए थे। अब नए आदेश तक वे पूर्व की तरह आवासीय संपत्ति का व्यवसायिक उपयोग जारी रख सकेंगे।

महापौर मुकेश टटवाल की अध्यक्षता में आयोजित हुई मेयर इन काउंसिल की बैठक

शनिवार को मेयर इन काउंसिल की बैठक महापौर श्री मुकेश टटवाल की अध्यक्षता एवं निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा, एमआईसी सदस्य प्रकाश शर्मा, सत्यनारायण चौहान, रजत मेहता, कैलाश प्रजापत, जितेंद्र कुवाल, डॉ. योगेश्वरी राठौर, दुर्गा शक्ति सिंह चौधरी, सुगन बाबूलाल बाघेला की उपस्थिति में आयोजित हुई। बैठक में कार्यसूची के प्रथम प्रकरण मेयर इन काउंसिल सम्मिलन दिनांक 03.07.2026 के कार्यवृत्त की पृष्टि की गई जिसके उपरांत बिन्दुवार चर्चा की गई जिसमें म.प्र. नगर पालिक निगम (अधिकारियों तथा सेवकों की नियुक्ति तथा सेवा शर्ते) नियम 2000 के नियम 10 (1) की अनुसूची-4 के अनुसार निकाय के मेयर इन काउंसिल की अधिकारिता के अधीन पदों हेतु समिति की अनुशंसा पर संलग्न प्रस्ताव अनुसार पदोन्नति आदेश की स्वीकृति के संबंध में अनुशंसा, कार्तिक मेला एवं प्रदर्शनी 2026 आयोजन की सैद्धांतिक स्वीकृति के संबंध में अनुशंसा, मा. महापौर महोदय, मा. अध्यक्ष महोदया, आयुक्त, अपर आयुक्त, उपायुक्त निवास एवं स्टाफ क्वाटर्स निर्माण कार्य (भाग-1 व 2) के संबंध में अनुशंसा, जयसिंहपुरा तिराहे से नृसिंहघाट ब्रिज तक मार्ग चौडीकरण एवं सौंदर्यकरण कार्य के संबंध में, एसबीएम 2.0 अंतर्गत पीपीपी मोड पर सीबीजी सह एमआरएफ प्लांट की स्थापना, संचालन एवं संधारण हेतु भूमि की उपलब्धता एवं रॉयल्टी दर की स्वीकृति के संबंध मे, भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की प्रतिमा स्थापित करने के संबंध में, सिंहस्थ 2028 अंतर्गत जंतर मंतर सॉलिटेयर होटल पाले से सांवराखेडी (गउघाट पाला) की ओर सीमेंट कांक्रीट सडक निर्माण पूर्व स्वीकृत अलाइनमेंट के शेष कार्य के संबंध में, दीपावली पर्व वर्ष 2026 पर आतिशबाजी विक्रेताओं को अस्थाई दुकान हेतु भूमि आवंटित करने के संबंध में, सिंहस्थ 2028 अंतर्गत नानाखेडा चौराहे से शांति पैलेस एमआर 2 तक मार्ग चौडीकरण कार्य में प्रभावित सुलभ शौचालय हटाये जाने के संबंध मे प्रभावित हितग्राहीयों का मुआवजा की स्वीकृति संबंध के प्रकरणों में अनुशंसा की गई

हाथी पर सवार होकर आ रहीं मां जगदंबा, इस बार अष्टमी की होगी वृद्धि

11 अक्टूबर से शुरू हो रही शारदीय नवरात्रि, 20 अक्टूबर को मनेगा विजय दशमी पर्व

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

शारदीय नवरात्रि का पावन पर्व इस वर्ष 11 अक्टूबर से शुरू होकर 20 अक्टूबर तक चलेगा। इस बार मां जगदंबा हाथी पर सवार होकर आ रही हैं, जो जल वृष्टि, व्यापार में वृद्धि और किसानों के लिए एक शुभ संकेत माना जा रहा है। 11 अक्टूबर, रविवार को प्रतिपदा तिथि सुबह 6:22 बजे से शुरू होकर रात 9:31 बजे तक रहेगी।

ज्योतिर्विद पं. अजय कृष्ण शंकर व्यास के अनुसार, इस बार पंचांगों में अष्टमी तिथि की वृद्धि बताई गई है। अष्टमी तिथि 18 अक्टूबर से शुरू होकर 19 अक्टूबर की सुबह 8:29 बजे तक रहेगी। महानवमी 20 अक्टूबर को है और इसी दिन श्रवण नक्षत्र में विजयादशमी भी मनाई जाएगी।

घटस्थापना का मुहूर्त और वैधृति योग का महत्व

पं. अजय व्यास ने बताया कि घटस्थापना का प्रातः कालीन मुहूर्त सुबह 6:22 से 10:16 बजे तक रहेगा। अभिजित मुहूर्त सुबह 11:50 से दोपहर 12:36 बजे तक है। घर-गृहस्थी वाले लोगों को अभिजित मुहूर्त में घटस्थापना करने की सलाह दी गई है। इस दिन वैधृति योग रात 9:05 बजे तक रहेगा। इस योग के स्वामी वरुण देव हैं। इस योग में मांगलिक कार्य टालने की परंपरा है, लेकिन जप, तप और देवपूजन के लिए यह उपयोगी माना गया है।



दक्षिणायन में नवरात्रि का आध्यात्मिक महत्व

पं. व्यास के अनुसार शारदीय नवरात्रि सूर्य के दक्षिणायन काल में आती है। दक्षिण दिशा का संबंध यम, पितृ-तत्व और परिवर्तन से है। शक्ति-उपासना में यह दिशा देवी के उग्र और रक्षात्मक स्वरूपों का स्मरण कराती है। नवरात्रि की रात्रियाँ आत्मचिंतन, शक्ति-उपासना और मंत्र-जप के लिए विशेष मानी जाती हैं। यह पर्व केवल बाहरी विजय का नहीं, बल्कि अपने भीतर के भय, क्रोध और नकारात्मक प्रवृत्तियों पर विजय प्राप्त करने की प्रेरणा देता है।

निर्मला कॉलेज में विद्यार्थियों को किया जागरूक

डिप्रेशन के विचारों को पहचानना जरूरी

मेंटल इलनेस अवेयरनेस वीक के तहत कार्यक्रम

विशेषज्ञों ने कहा- समय पर परामर्श और परिवार का सहयोग आवश्यक

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य, नैदानिक अवसाद और आत्महत्या संबंधी विचारों के प्रारंभिक लक्षणों के प्रति जागरूक करने के लिए निर्मला कॉलेज एवं निर्मला कॉलेज ऑफ एजुकेशन के संयुक्त तत्वावधान में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। मेंटल हेल्थ एंड वेलबीइंग मॉनिटरिंग कमिटी द्वारा मेंटल इलनेस अवेयरनेस वीक के तहत हुए इस आयोजन में विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को मानसिक तनाव के कारणों और उसके उचित प्रबंधन के तरीके बताए।

निर्मला महाविद्यालय के एनसीसी अधिकारी मेजर डॉ. चंद्रशेखर शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में संस्था के निदेशक फादर डॉ. एंटोनी जोसफ निरप्पेल ने विद्यार्थियों को क्लिनिकल डिप्रेशन एवं सुसाइडल आइडिया के लक्षणों की जानकारी दी। उन्होंने कहा, ₹नैदानिक अवसाद एक गंभीर मानसिक स्वास्थ्य स्थिति है, जिसमें व्यक्ति लंबे समय तक उदासी, निराशा, रुचि में कमी तथा दैनिक कार्यों को करने में कठिनाई का अनुभव कर सकता है।₹

कार्यक्रम में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि किशोरों व विद्यार्थियों में अवसाद का सीधा असर उनके शैक्षणिक प्रदर्शन, सामाजिक संबंधों और भावनात्मक विकास पर पड़ता है। इन गंभीर मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के प्रारंभिक संकेतों की पहचान, समय पर परामर्श, परिवार एवं शैक्षणिक संस्थान का सहयोग तथा पेशेवर मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है।

इस दौरान विद्यार्थियों की सहभागिता बढ़ाने के लिए विभिन्न समूह गतिविधियां भी आयोजित की गईं, जिनके माध्यम से उन्हें मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने और एक-दूसरे से संवाद करने के लिए प्रेरित किया गया।

इस अवसर पर निर्मला कॉलेज के निदेशक फादर डॉ. एंटोनी जोसफ निरप्पेल, निर्मला कॉलेज की प्राचार्य एवं निर्मला कॉलेज ऑफ एजुकेशन की अकादमिक निदेशक प्रो. डॉ. कीर्ति डिड्डी, निर्मला कॉलेज ऑफ एजुकेशन की प्राचार्य डॉ. पंकजा सोनवलकर सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहा। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन सह-प्राध्यापक डॉ. विश्वास तिवारी ने किया।

फूलों की रंगोली और आकर्षक चित्रों से दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

अग्रवाल नवयुवक मंडल ने गोलामंडी स्थित धर्मशाला में किया प्रतियोगिताओं का आयोजन

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

अग्रसेन जयंती महोत्सव के तहत श्री अग्रवाल नवयुवक मंडल ने गोलामंडी स्थित अग्रवाल धर्मशाला में रचनात्मक प्रतिभाओं को मंच देने और जागरूकता के उद्देश्य से फूलों की रंगोली, चित्रकला व पर्यावरण संरक्षण पर स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया। इसमें प्रतिभागियों ने अपनी कल्पनाशीलता और कला का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जन-जन तक पर्यावरण बचाने का प्रभावी संदेश पहुंचाया।



मंडल अध्यक्ष इंद्रेश अग्रवाल और वरिष्ठ उपाध्यक्ष महेश अग्रवाल ने बताया कि प्रतियोगियों ने आकर्षक रंगोलियों, सुंदर चित्रों और प्रभावी स्लोगनों के माध्यम से अपनी प्रतिभा दिखाई। रंगों और फूलों से सजी रंगोलियों ने पूरे कार्यक्रम स्थल को आकर्षक बना दिया। प्रतियोगिता में निर्णायकों की भूमिका पुष्पेंद्र चित्तौड़ा और सलोनी तिवारी ने निभाई, जिन्होंने रचनात्मकता, प्रस्तुति और पर्यावरण संदेश के आधार पर विजेताओं का मूल्यांकन किया।

आयोजन में अग्रवाल पंचायत न्यास के पूर्व अध्यक्ष विजय अग्रवाल, मधुर चौधरी, भाजपा के पूर्व पार्षद ओम अग्रवाल, दीपक अग्रवाल और वैभव बंसल प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में संयोजक अर्पित गोयल ने सभी अतिथियों व प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा, ₹ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ सामाजिक एवं पर्यावरणीय सरोकारों से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। इस अवसर पर मंडल सचिव दीपेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष आयुष चौधरी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष महेश अग्रवाल (फिल्म), उपाध्यक्ष प्रियेश अग्रवाल, संगठन मंत्री कृष्ण अग्रवाल व मोनील अग्रवाल, सह सचिव नितिन सिंगल व नवीन जैन, प्रचार मंत्री अवध सिंहल व नीलेश गोयल, मीडिया प्रभारी पुरुषोत्तम बंसल व हरीश मित्तल और वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य अंकुर गर्ग मौजूद रहे।

उज्जैन के कुशाग्र नागर का मध्य प्रदेश अंडर-19 वनडे क्रिकेट टीम में चयन

उज्जैन। शहर के पानदरीबा स्थित लोकमान्य टिळक हायर सेकंडरी स्कूल के प्रतिभावान छात्र कुशाग्र नागर का मध्य प्रदेश अंडर-19 वनडे क्रिकेट टीम में चयन हुआ है। कुशाग्र आगामी 8 अक्टूबर 2026 से राजकोट में आयोजित होने वाली प्रतिष्ठित वीनू मांकड़ ट्रॉफी में मध्य प्रदेश की टीम से खेलेंगे। यह प्रतियोगिता बीसीसीआई के सीमित ओवर वीनू मांकड़ टूर्नामेंट 2026ञ्27 का हिस्सा है। इस महत्वपूर्ण टूर्नामेंट के लिए राज्य की टीम में जगह बनाकर कुशाग्र ने शहर और अपने स्कूल का मान बढ़ाया है। कुशाग्र के चयन पर विद्यालय परिवार में हर्ष का वातावरण है। विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों ने छात्र की इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल एवं सफल खेल भविष्य की कामना की है।

संजा लोकोत्सव में गूंजे लोक संस्कृति के स्वर, संगोष्ठी में हुआ मंथन

कालिदास अकादमी में पंचतंत्र पर लगी लघु चित्रों की प्रदर्शनी, आज वरिष्ठ साहित्य मनीषी प्रो. शैलेंद्र कुमार शर्मा को मिलेगा शिखर सम्मान

संजा लोकोत्सव में गूंजे लोक संस्कृति के स्वर, कालिदास अकादमी में मंथन तो पानबिहार में सजी लोकरंग यात्रा

अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में पंचतंत्र व शैलचित्रों पर हुआ विमर्श, आज प्रो. शैलेंद्र कुमार शर्मा को मिलेगा शिखर सम्मान

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

भारतीय लोक और जनजातीय संस्कृति के संरक्षण के उद्देश्य से प्रतिकल्पा सांस्कृतिक संस्था द्वारा आयोजित आठ दिवसीय अखिल भारतीय संजा लोकोत्सव के सातवें दिन 3 अक्टूबर को कालिदास संस्कृत अकादमी में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का शुभारंभ हुआ। वहीं ग्राम पानबिहार में लोकरंग यात्रा के तहत पंजाब, उत्तर प्रदेश, गुजरात, सागर और मालवा के कलाकारों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से समा बांधा। यह आयोजन संस्कृति मंत्रालय, मप्र संस्कृति विभाग, पर्यटन विकास बोर्ड, संस्कार भारती व विभिन्न क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्रों (प्रयागराज, पटियाला, उदयपुर) के संयुक्त सहयोग से किया जा रहा है।



कालिदास अकादमी में 'भारत का लोक और जनजातीय साहित्य एवं संस्कृति' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में कला विदुषी डॉ. उमा जोशी ने पंचतंत्र पर केंद्रित 100 से अधिक लघु चित्रों की प्रदर्शनी लगाई। उन्होंने कहा, ₹पंचतन्त्र वेदों से चलकर लोक में आया है और आज इसकी कथाएं लोक का हिस्सा बन गई हैं। मुख्य अतिथि पुराविद पद्मश्री डॉ. नारायण व्यास ने कहा, ₹लोक चित्रों के मूल सूत्र प्रागैतिहासिक शैल चित्रों में उपलब्ध हैं। महेश्वर उत्खनन में मिले बर्तन जिन पर नृत्य करती महिलाओं के चित्र हैं, इसके प्रमाण हैं।₹ मुख्य समन्वयक प्रो. शैलेंद्र कुमार शर्मा ने कहा, ₹लोक और जनजातीय संस्कृति में प्रकृति के साथ गहरा आत्मीय और सहअस्तित्व का रिश्ता है। पद्मश्री भेरूसिंह चौहान ने लोक कलाओं को लुप्त होने से बचाने का आह्वान किया।

माच कलाकार रमेश चंद्र मकवाना का सम्मान

संगोष्ठी में मॉरीशस से डॉ. सोमदत्त काशीनाथ, नॉर्वे से सुरेशचंद्र शुक्ल 'शरद आलोक', डॉ. आरसी ठाकुर, डॉ. मोहनलाल वर्मा, प्रो. जगदीश चंद्र शर्मा, माया मालवेंद्र बधेका व डॉ. ललित कुमार सिंह ने भी विचार रखे। डॉ. बरखा श्रीवास्तव, डॉ. सोनाली जैन, डॉ. वैशाली गवली, डॉ. राजुली सिंह, डॉ. नेत्रा रावणकर, प्रो. नवीन मेहता, मेघा नगेले, आरती द्विवेदी और आकाश अहिरवार ने शोध पत्र पढ़े। उद्घाटन सत्र का संचालन प्रो. जगदीशचंद्र शर्मा और आभार डॉ. शिव चौरसिया ने माना। द्वितीय तकनीकी सत्र की अध्यक्षता कुंजन आचार्य ने की, जिसमें सारस्वत अतिथि रमाकांत पाटिल, डॉ. ऋषिकेश खिलारे व प्रो. सारिका कालरा मौजूद रहे। इन सत्रों का संचालन पूजा परमार ने किया तथा आभार डॉ. डीडी बेदिया और मोनिका प्रजापति ने माना। इधर, ग्राम पानबिहार में सरपंच प्रतिनिधि भंवर सिंह राठौर के संयोजन में भव्य लोकरंग यात्रा निकली। इस दौरान माच कलाकार रमेश चंद्र मकवाना का सम्मान किया गया। अतिथि के रूप में पूर्व भाजपा ग्रामीण अध्यक्ष बहादुर सिंह बोरमुड़वा उपस्थित थे। कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी व रूपरेखा संस्था की निदेशक डॉ. पल्लवी किशन ने रखी तथा संचालन पं. सुदर्शन अयाचित ने किया। सचिव कुमार किशन, प्रवीण चतुर्वेदी, विजय भागचंदानी, सिद्धार्थ भागचंदानी, लकी राठौर, नैना सोलंकी, जयवी व्यास और अर्चना कुशवाह ने अतिथियों का स्वागत किया।

संजा लोकोत्सव के अंतिम दिन रविवार सुबह 9 बजे कालिदास अकादमी में संजा और मांडना प्रतियोगिता होगी। सुबह 10:30 बजे से लोक साहित्य महोत्सव का दूसरा दिन आरंभ होगा। शाम 7 बजे पं. सूर्यनारायण व्यास संकुल में विभिन्न राज्यों के कलाकारों की प्रस्तुति होगी। इसी दौरान वरिष्ठ लोक साहित्य मनीषी प्रो. शैलेंद्र कुमार शर्मा को प्रतिकल्पा लोककला सम्मान एवं शिखर सम्मान से अलंकृत किया जाएगा। संस्था पदाधिकारियों ने कला प्रेमियों से कार्यक्रम में शामिल होने का आह्वान किया है।

उज्जैन
रविवार
04
अक्टूबर, 2026

दैनिक
ब्रह्मास्त्र

शरीरं चैव वाचं च बुद्धिन्द्रिय मनांसि च।
नियम्य प्राञ्जलिः तिष्ठेत् वीक्षमाणो गुरोर्मुखम्।।
अर्थः शरीर, वाणी, बुद्धि, इंद्रिय और मन को संयम (काबू) में रखकर, हाथ जोडकर गुरु के सन्मुख (सामने) देखना चाहिए।

खबर एक नजर...

3 साल में 69 हादसों में 72 लोग गंवा चुके-जान

इंदौर। बायपास के ब्लैक स्पॉट पर लगातार हादसे बढ़ रहे हैं। शहर के 16 में से 10 ब्लैक स्पॉट बायपास पर हैं। ये सभी शहरी सीमा के अंदर आते हैं। पिछले तीन साल से इन ब्लैक स्पॉट पर 69 हादसे हो चुके हैं, जिसमें 72 लोगों की जान जा चुकी है। लेकिन, एनएचएआई और ट्रैफिक पुलिस के बीच तालमेल नहीं बैठ रहा। रोड सेफ्टी की बैठक में भी इन ब्लैक स्पॉट्स का मुद्दा उठ चुका है। एनएचएआई के अधिकारी मांगलिया से राऊ गोल चौराहे को बायपास ही मानते हैं, यही कारण है कि शहर में लागू होने वाले ट्रैफिक नियम का पालन नहीं होता है और हादसों की संख्या बढ़ रही है। पुलिस के रिकॉर्ड के अनुसार 16 ब्लैक स्पॉट पर वर्ष 2023 में 32 हादसे और 32 मौतें हुई थीं। 2024 में हादसों की संख्या बढ़कर 39 और मौतें 37 हो गईं। वर्ष 2025 में हादसे बढ़कर 41 और मौतें 44 हो गईं। बायपास पर ओमेक्स सिटी, बिचौली मर्दाना ब्रिज, रालामंडल चौराहा, तेजाजी नगर ब्रिज, कैलोद करताल फाटा, राऊ गोल चौराहा, कनाड़िया ब्रिज, फीनिक्स मॉल के पास ब्लैक स्पॉट हैं।

होलकर स्टेडियम में घास पर होगी केमिकल कोटिंग

इंदौर। भारत और वेस्टइंडीज के बीच 11 अक्टूबर को होने वाले डे-नाइट टी-20 मैच के लिए होलकर स्टेडियम में तैयारियां अंतिम दौर में हैं। शाम 7 बजे से शुरू होने वाले मुकाबले में ओस (ड्यू फैक्टर) मुकाबले को प्रभावित नहीं करे इसके लिए घास पर एंटी ड्यू केमिकल का छिड़काव किया जाएगा। इससे मैच एक तरफा ना होकर ज्यादा रोमांचक हो सकेगा। ग्राउंड स्टाफ का कहना है कि ओस के कारण गेंद तेजी से ट्रैवल करती है और बल्ले पर भी आसानी से आती है। गेंद गीली होने से गेंदबाजी मुश्किल हो जाती है। बेहतर उछाल के लिए पिच पर हेवी रोलर पिच पर सही उछाल सुनिश्चित करने के लिए इसे सख्त बनाया जा रहा है। इसके लिए लगभग 1 टन वजनी हेवी रोलर से पिच की रोलिंग की जा रही है। सतह को धूप में अच्छी तरह सूखने (बेकिंग) देने के लिए अभी पिच पर पानी देना पूरी तरह बंद कर दिया गया है। फ्लड लाइट में चमकेंगे मैदान पर रॉयल चेक्स मैच को टीवी स्क्रीन पर लाइव देखने वालों को होलकर मैदान का एक नया और आकर्षक रूप नजर आएगा। आउटफील्ड की घास पर डार्क और लाइट हरे रंग के चेक्स (चौकड़ी) दिखाई देंगे।

नई बिल्डिंग के लिए छह महीने में पेड़ हटाने के 3 पत्र,

इंदौर। एमवाय अस्पताल परिसर में 1450 बेड के नए अस्पताल भवन के निर्माण में बाधक पेड़ों को हटाने के लिए छह महीने के भीतर तीन बार पत्र भेजे गए। मार्च और जुलाई में 20-20 पेड़ों की कटाई व प्रत्यारोपण की अनुमति नगर निगम स्तर पर मिल गई। 11 सितंबर को 22 पेड़ों का तीसरा प्रस्ताव आने पर इसे भोपाल स्थित शासन स्तर पर भेजने की तैयारी है। तीनों चिट्ठियों को मिलाकर कुल 62 पेड़ हटाने का मामला है। हर बार अनुमति के लिए भेजे गए पेड़ों की संख्या 25 से कम रखी गई। अप्रैल में राज्य सरकार द्वारा पेड़ काटने के नियमों में बदलाव के बाद यह संख्या अहम हो गई है। नए नियमानुसार, यदि किसी प्रोजेक्ट में 25 से अधिक पेड़ प्रभावित होते हैं, तो नगर निगम अपने स्तर पर मंजूरी नहीं दे सकता; इसका प्रस्ताव शासन को भेजना होता है।

कोरोना में अहम रोल निभाने वालों को प्रमोशन का इंतजार

इंदौर। कोरोना महामारी के दौरान वायरस के सैंपल की जांच करने और संक्रमण की निगरानी में अहम भूमिका निभाने वाले वैज्ञानिक वर्षों से प्रमोशन का इंतजार कर रहे हैं। भोपाल, इंदौर, रीवा और ग्वालियर की वायरोलॉजी लैब में कार्यरत 13 वैज्ञानिकों के लिए भर्ती के बाद आगे बढ़ने का स्पष्ट कैडर नहीं है। भोपाल में 2018 और इंदौर में 2019 से पद संभाल रहे वैज्ञानिक अब भी उसी पद पर हैं। यानी वायरस बदलते रहे, इनका अनुभव और विशेषज्ञता बढ़ती रही, लेकिन करियर की सीढ़ी आगे नहीं बढ़ी। वायरोलॉजी लैब में तैनात वैज्ञानिक क्लास-1 राजपत्रित अधिकारी हैं। उनका कहना है कि उनके लिए मेडिकल कॉलेजों के प्रोफेसरों की तरह सेवा अवधि, शोध कार्य और उपलब्धियों के आधार पर समयबद्ध पदोन्नति की व्यवस्था होनी चाहिए। इसके बजाय उन्हें 8 साल वाले समयमान वेतनमान का हवाला दिया जा रहा।

आज इंदौर में एमपीपीएससी असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा

इंदौर। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा आज इंदौर में आयोजित की जाएगी। परीक्षा के लिए शहर में कुल 30 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इन केंद्रों पर करीब 12 हजार अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। अभ्यर्थियों की संख्या और परीक्षा की व्यवस्थागत जरूरतों को देखते हुए इस परीक्षा के लिए इंदौर को केंद्र बनाया गया है। परीक्षा दो पालियों में आयोजित होगी। सुबह 10 से 11 बजे तक और दोपहर 1 बजे से शाम 4 बजे तक परीक्षा होगी। परीक्षा को लेकर प्रशासन और परीक्षा एजेंसी की ओर से आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

2027 से पहले ट्रैफिक शुरू होना मुश्किल, दिसंबर-2026 तक कैसे पूरे होंगे

267 करोड़ के चार फ्लायओवर, 45% काम बाकी

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

शहर के ट्रैफिक को रफ्तार देने और जाम से राहत के लिए बनाए जा रहे 4 सिक्स लेन फ्लायओवर की धीमी रफ्तार के कारण वाहन चोलकों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ रह है। 2023-24 में 267 करोड़ की लागत से शुरू किए गए मूसाखेड़ी, क्रिस्टल आईटी पार्क, देवास नाका व सत्यसाईं फ्लायओवर में से किसी का 40 तो किसी का 45 प्रतिशत काम बाकी है।

चारों फ्लायओवर की डेडलाइन दिसंबर-2026 है, लेकिन गर्डर, डेक स्लैब, एप्रोच रोड, डामरीकरण, क्रैश बैरियर और सुरक्षा से जुड़े काम होना बाकी हैं। काम की वर्तमान रफ्तार को देखते हुए ट्रैफिक चालू करने के लिए 2027 तक इंतजार करना होगा।

मूसाखेड़ी में 60.84%, देवास नाका में 67.88%, सत्य साईं में 54.97% और क्रिस्टल आईटी पार्क में सिर्फ 53.89% काम हुआ है। फिलहाल इन फ्लायओवर के निर्माण से सर्विस रोड पर धूल उड़ रही है तो कई जगह



गड्ढे, संकरी सड़क के कारण परेशान होना पड़ रहा है। पीक ऑवर में कई बार जाम की स्थिति बनती है।

मूसाखेड़ी : सबसे ज्यादा ट्रैफिक यहीं उलझता है- मूसाखेड़ी फ्लायओवर का 60.84% काम पूरा हो चुका है। निर्माण के दौरान तीन टॉयलेट ब्लॉक, चौराहे की मूर्ति और अतिक्रमण हटाए गए। मंदिरों को अस्थायी रूप से शिफ्ट कर काम आगे बढ़ाया जा रहा है। करीब 22% काम अभी बाकी है। सबसे ज्यादा ट्रैफिक यहीं पर उलझता है, लोग परेशान होते रहते हैं।

देवास नाका : औद्योगिक क्षेत्र होने से दिक्कत ज्यादा- यहां 67.88% काम पूरा हुआ है। देवास नाका से मांगलिया की ओर अतिक्रमण हटाए जा चुके हैं और सर्विस रोड का काम पूरा है, लेकिन कुछ हिस्सों में निर्माण के लिए ट्रैफिक डायवर्ट करना जरूरी है। ट्रैफिक डायवर्जन की अनुमति नहीं मिलने से काम रुका। औद्योगिक क्षेत्र और भारी वाहनों के दबाव के कारण जाम की स्थिति बन रही।

सत्य साईं : सुबह-शाम लग रही वाहनों की कतार- सत्यसाईं फ्लायओवर का 54.97% काम हुआ है। पाइपलाइन शिफ्टिंग में काम प्रभावित हुआ था। अब यह समस्या सुलझाई जा चुकी है। फिलहाल गर्डर लॉन्चिंग और पिलर निर्माण का काम चल रहा है। बॉम्बे हॉस्पिटल और विजय नगर क्षेत्र को जोड़ने वाले इस हिस्से में मुख्य सड़क पर बैरिकेडिंग के कारण सुबह-शाम वाहनों की कतार लग रही है।

क्रिस्टल आईटी पार्क : पीक ऑवर्स में परेशानी- क्रिस्टल आईटी पार्क फ्लायओवर में 53.89% काम हुआ है। शुरूआत में आईसीएआर की जमीन हस्तांतरण, एआईसीटीएसएल की साइट हैंडओवर और अवंतिका गैस पाइपलाइन शिफ्टिंग से जुड़ी दिक्कतों के कारण काम प्रभावित हुआ। आईटी पार्क की ओर आने-जाने वालों को खासकर पीक ऑवर्स में परेशानी होती है।

बड़ा सवाल

दिसंबर तक बाकी काम कैसे होगा?
फ्लायओवर में सिर्फ पिलर खड़े करना ही काम नहीं है। गर्डर कास्टिंग, लॉन्चिंग, सुपर स्ट्रक्चर, डेक स्लैब, एप्रोच रोड, डामरीकरण, क्रैश बैरियर और सुरक्षा से जुड़े काम भी पूरे करने होते हैं। यदि काम की रफ्तार में तेजी नहीं लाई गई तो चारों फ्लायओवर का पूरा फायदा 2027 में ही मिलेगा।

बैंक, क्लिनिक, जिम और प्ले स्कूल संचालित थे, इंतजाम में मिली कमी

फायर सेफ्टी जांच के दौरान 4 भवन सील

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

इंदौर शहर में लगातार हो रहे अग्नि सुरक्षा निरीक्षण के बीच नगर निगम ने कनाड़िया रोड क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की है। निगम की टीम ने शनिवार को क्षेत्र के अलग-अलग व्यावसायिक और संस्थागत भवनों का निरीक्षण किया।

इस दौरान अग्नि सुरक्षा के जरूरी इंतजाम पर्याप्त नहीं मिलने पर 4 भवनों को सील कर दिया गया। इन भवनों में बैंक, मेडिकल स्टोर, डॉक्टरों के क्लिनिक, ऑफिस, जिम, सैलून और प्ले स्कूल जैसी गतिविधियां संचालित हो रही थीं। यानी इन परिसरों में रोजाना बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही थी।

इन भवनों पर हुई कार्रवाई- निगम के निरीक्षण में पहले भवन में एक्सि बैंक होम्योपैथिक क्लिनिक, मेडिकल स्टोर और दो ऑफिस संचालित मिले।

दूसरे भवन में इक्विटस फाइनेंस बैंक अपोलो फामेर्सी , 5 डॉक्टरों के क्लिनिक, सेटिन क्रेडिट स्कोर नेटवर्क का कार्यालय



और संपदा ऑफिस मिला।

तीसरे भवन में कोटक महिंद्रा बैंक, बीएसएफ जिम, डॉ. मंजू पाटीदार का क्लिनिक, समीर हेयर सैलून और लिटिल मिलेनियम प्ले स्कूल संचालित था।

चौथे भवन में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, 4 डॉक्टरों के क्लिनिक, 4 चार्टर्ड अकाउंटेंट के ऑफिस और 4 अन्य डॉक्टरों के क्लिनिक संचालित पाए गए।

फायर सेफ्टी इंतजामों में कमी मिली- नगर निगम के मुताबिक, निरीक्षण के दौरान इन भवनों में निर्धारित अग्नि सुरक्षा मानकों के अनुसार आवश्यक व्यवस्थाएं पर्याप्त नहीं मिलीं।

भवनों में संचालित गतिविधियों और लोगों की आवाजाही को देखते हुए निगम ने सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सीलिंग की कार्रवाई की। यह कार्रवाई आयुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देश और अपर आयुक्त प्रखर सिंह के निर्देशन में की गई।

निगम की सभी भवन संचालकों को चेतावनी

नगर निगम ने व्यावसायिक, संस्थागत, बहुमंजिला और सार्वजनिक उपयोग वाले भवनों के मालिकों और संचालकों से अपने यहां अग्नि सुरक्षा व्यवस्था की नियमित जांच कराने की अपील की है। निगम ने विशेष रूप से फायर फाइटिंग सिस्टम, अग्निशमन उपकरण, फायर अलार्म, आपातकालीन निकास, फायर एग्जिट और अग्निशमन के लिए पानी की व्यवस्था सहित अन्य सुरक्षा इंतजाम दुरुस्त रखने को कहा है।

इंदौर में राजा रघुवंशी के दोस्त ने किया सुसाइड

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

राजा रघुवंशी हत्याकांड के बाद अब उसके करीबी दोस्त ने भी खुदकुशी कर ली है। अन्नपूर्णा थाना क्षेत्र के सुदामा नगर ई-सेक्टर में ट्रांसपोर्ट कर्मचारी अर्पित चौहान ने फंदा लगाकर जान दे दी। 28 सितंबर को उसका जन्मदिन था। पुलिस के मुताबिक, शुक्रवार सुबह अर्पित मंदिर से लौटा और घर में ही सुसाइड कर लिया। पत्नी ने ही परिजन को फोन कर सूचना दी। परिजन एम्बुलेंस से उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मोबाइल जब्त किया है।

सुसाइड से ठीक पहले अर्पित ने सोशल मीडिया पर स्टेटस लगाया था - नियंत्रण बहुत जरूरी है, अगर आमदनी कम हो तो खर्चों पर और आमदनी ज्यादा हो तो शब्दों पर। स्टेटस लगाने के करीब एक घंटे बाद ही उसने यह कदम उठा लिया। इसी स्टेटस को लेकर अब कई सवाल उठ रहे हैं। परिवार में पत्नी और 3 साल की बेटी है। उसका छोटा भाई अभिषेक भी साथ रहता है। राजा रघुवंशी के भाई विपिन रघुवंशी ने बताया कि राजा और अर्पित की दोस्ती करीब 10 साल पुरानी थी। दोनों लंबे समय से साथ काम करते थे। अर्पित पहले राजा का दोस्त था और बाद में परिवार के साथ भी उसका जुड़ाव हो गया था। राजा की मौत के बाद परिवार को संभालने और उनके काम में मदद करने में भी अर्पित की महत्वपूर्ण भूमिका रही। अर्पित उनके कोचिंग संस्थान से जुड़े ट्रांसपोर्ट का काम भी देखता था।

ऑपरेशन मैट्रिक्स के तहत क्राइम ब्रांच की कार्रवाई

साइबर फ्रॉड में म्यूल खाते का इस्तेमाल करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

साइबर ठगी के लिए बैंक खातों का इस्तेमाल करने वाले गिरोह के खिलाफ क्राइम ब्रांच इंदौर ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। क्राइम ब्रांच के मुताबिक, आरोपियों से जुड़े एक बैंक खाते का इस्तेमाल देश के अलग-अलग राज्यों में हुई साइबर धोखाधड़ी की रकम के लेन-देन के लिए किया जा रहा था। इस खाते के खिलाफ साइबर क्राइम पोर्टल पर 10 शिकायतें दर्ज मिली हैं।

क्राइम ब्रांच की जांच में सामने आया कि विजय नगर स्थित एक बैंक शाखा में संचालित संदिग्ध खाता धर्मपुरी निवासी यश शर्मा के नाम पर था। पुलिस के अनुसार, यश पेशे से फोटोग्राफर है। जांच के दौरान खाते के संचालन में न्यू गौरी नगर निवासी जतिन चंदेल की भूमिका सामने आई। जतिन निजी कंपनी में काम करता है। एडिशनल डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश दंडोतिया ने बताया कि पुलिस को राज्य साइबर पुलिस मुख्यालय, गृह मंत्रालय के cyber, ठउपछ और साइबर क्राइम पोर्टल से मिली जानकारी के आधार पर खाते पर संदेह हुआ था। बैंक से खाते की जानकारी हासिल करने के बाद क्राइम ब्रांच ने इसकी गतिविधियों की जांच शुरू की। उन्होंने बताया कि साइबर क्राइम पोर्टल पर उपलब्ध रिकॉर्ड के अनुसार उक्त खाते के खिलाफ देश के विभिन्न राज्यों से साइबर धोखाधड़ी की 10 शिकायतें दर्ज होना पाया गया। इन शिकायतों का संबंध आंध्र प्रदेश, गुजरात, हरियाणा, केरल, कर्नाटक, महाराष्ट्र एवं तेलंगाना सहित विभिन्न राज्यों से होना पाया गया। अब क्राइम ब्रांच खाते में हुए संदिग्ध वित्तीय लेन-देन की पड़ताल कर रही है। साथ ही यह पता लगाया जा रहा है कि खाते का इस्तेमाल किसके कहने पर किया जा रहा था, साइबर ठगी की रकम किन खातों में पहुंची और इस नेटवर्क में कौन-कौन लोग शामिल हैं।

बूथ से आईडीए ग्राउंड तक निकलेगी बाइक रैली, 7 अक्टूबर को सेवा ज्योति संकल्प यात्रा

इंदौर के कार्यक्रम में वर्चुअली जुड़ेंगे पीएम नरेंद्र मोदी

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 साल के जनसेवा, जनकल्याण और सुशासन के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए 7 अक्टूबर को सेवा ज्योति संकल्प यात्रा निकाली जाएगी। सभी विधानसभा क्षेत्रों के बूथों से भाजपा कार्यकर्ता और लाभार्थी बाइक रैली के रूप में कार्यक्रम स्थल पहुंचेंगे। आयोजन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के शामिल होने की भी संभावना है।

बूथ से विधानसभा तक बाइक रैली, आईडीए ग्राउंड में होगा सम्मेलन भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने बताया कि प्रत्येक बूथ से कार्यकर्ता लाभार्थियों को साथ लेकर बाइक से वार्ड में तय स्थान पर पहुंचेंगे। यहां से मंडल और फिर विधानसभा स्तर पर रैली के रूप में कार्यकर्ता एकत्रित होंगे। इसके बाद सभी विधानसभा क्षेत्रों की रैलियां विजय नगर स्थित आईडीए ग्राउंड पहुंचेंगी। हर विधानसभा क्षेत्र से एक-एक मशाल ज्योति लाई जाएगी। कार्यकर्ता हाथों में भाजपा के



झंडे और तख्तियां लेकर शामिल होंगे। वर्चुअली जुड़ेंगे पीएम मोदी, दिलाएंगे विकसित भारत का संकल्प सुबह 10 बजे आईडीए ग्राउंड पर एकत्रीकरण के बाद विजय संकल्प सभा सम्मेलन होगा। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअली जुड़कर संबोधित करेंगे और विकसित भारत का संकल्प दिलाएंगे। श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा स्थल पर स्थापित होगी मशाल सम्मेलन के बाद आईडीए ग्राउंड से सेवा ज्योति मशाल लेकर कार्यकर्ता पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा स्थल तक पहुंचेंगे। यहां मशाल स्थापित की जाएगी। सुमित मिश्रा ने बताया कि डॉ. श्यामा



प्रसाद मुखर्जी ने कश्मीर से धारा 370 हटाने के लिए यात्रा निकाली थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने धारा 370 हटाकर उनके संकल्प को पूरा किया है। इसी क्रम में यह आयोजन किया जा रहा है। 7 अक्टूबर को पूरे होंगे पीएम मोदी की सेवा के 25 साल सुमित मिश्रा के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा के 25 साल 7 अक्टूबर को पूरे हो रहे हैं। इसी अवसर पर यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। आईडीए ग्राउंड पर संकल्प सभा के बाद प्रधानमंत्री वर्चुअली जुड़ेंगे। आयोजन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आने की भी संभावना है।

डीआरडीओ के पूर्व वैज्ञानिक जितेंद्र सिंह ने दिए उद्यम मंत्र, बोले- ड्रोन-अकमें कारोबार शुरू करें

सेना में नहीं गए तो सेना के लिए काम करें : पूर्व वैज्ञानिक

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

अगर किसी युवा की इच्छा सेना में जाने की है, लेकिन वह भर्ती नहीं हो पाता है, तो उद्यमिता दूसरा रास्ता हो सकता है। स्टार्टअप शुरू कर डिफेंस सेक्टर के लिए ड्रोन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इलेक्ट्रॉनिक्स, सॉफ्टवेयर और टेक्नोलॉजी विकसित कर सकते हैं।

यह बात एयरोस्पेस और डिफेंस क्षेत्र में लघु उद्योगों के चीफ एडवाइजर और पूर्व डीआरडीओ वैज्ञानिक जितेंद्र सिंह ने कही। वे इंदौर में 2 और 3 अक्टूबर को आयोजित लघु उद्यम समागम 2026 में शामिल होने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने युवाओं को उद्यम शुरू करने के मंत्र बताए। उन्होंने कहा कि आज डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग में सिर्फ बड़े उद्योगों की ही भूमिका नहीं है। छोटे और मध्यम उद्योगों,



स्टार्टअप और इनोवेटर्स के लिए भी सप्लाई चेन में शामिल होने के अवसर मौजूद हैं।

सिंह ने बताया कि देश के लाखों युवा सेना में जाने का सपना देखते हैं। कुछ भर्ती प्रक्रिया में सफल नहीं हो पाते, तो कुछ उम्र, मेडिकल या अन्य कारणों से सेना में शामिल नहीं हो पाते। हालांकि, देश की सुरक्षा में योगदान देने के रास्ते यहीं खत्म नहीं होते। डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग ऐसा क्षेत्र है, जहां युवा उद्यमी सेना के लिए जरूरी उत्पाद और तकनीक विकसित कर सकते हैं। ऐसे कई छोटे उपकरण और पार्ट्स हैं, जिन्हें भारत पहले दूसरे देशों से आयात करता था। अब इन्हें देश में ही विकसित और निर्मित करने की संभावनाएं बढ़ रही हैं।

ग्राउंड सपोर्ट सिस्टम से डिफेंस इलेक्ट्रॉनिक्स तक- उन्होंने कहा कि डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग का दायरा केवल हथियार बनाने तक सीमित नहीं है। सेना को किसी उपकरण के इस्तेमाल के लिए ग्राउंड सपोर्ट सिस्टम, इलेक्ट्रॉनिक्स, टेस्टिंग उपकरण, कम्युनिकेशन सिस्टम और दूसरे सपोर्टिंग सिस्टम की भी जरूरत होती है। इनमें से कई क्षेत्रों में छोटे और मध्यम उद्योग अपनी विशेषज्ञता के अनुसार काम कर सकते हैं।

बड़े डिफेंस सिस्टम में छोटे पार्ट्स की भी भूमिका

जितेंद्र सिंह ने बताया कि एक बड़े डिफेंस सिस्टम में सैकड़ों-हजारों छोटे पार्ट्स और उपकरण शामिल होते हैं। ऐसे में उद्यम शुरू करने के लिए पूरा टैंक, विमान या ड्रोन बनाना जरूरी नहीं है। किसी एक हिस्से का बेहतर निर्माण भी बड़े उद्यम की शुरूआत बन सकता है।

ड्रोन का मतलब पूरा ड्रोन बनाना नहीं

जितेंद्र सिंह ने आगे बताया- ड्रोन डिफेंस सेक्टर में तेजी से इस्तेमाल होने वाली तकनीकों में शामिल है। हालांकि, ड्रोन के क्षेत्र में काम करने का मतलब सिर्फ पूरा ड्रोन बनाना नहीं है। ड्रोन में छोटे पार्ट्स, इलेक्ट्रॉनिक्स, एवियोनिक्स, सेंसर, कम्युनिकेशन सिस्टम और अन्य उपकरणों की भी जरूरत होती है। युवा उद्यमी और छोटे उद्योग इन क्षेत्रों में काम कर सकते हैं।

खबर एक नजर...

बाथरूम में नहा रही नर्सिंग ऑफिसर का वीडियो बनाया

भिंड। मध्यप्रदेश के भिंड में बिजली कंपनी(मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी) में विजिलेंस की जिम्मेदारी संभाल रहे उपमहाप्रबंधक नितिन डोंगरे पर नर्सिंग ऑफिसर ने बाथरूम में मोबाइल कैमरा छिपाकर अपना श्क्लएड बनाने का आरोप लगाया है। महिला की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। पुलिस ने मोबाइल जब्त कर लिया है और अधिकारी को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। महिला स्वास्थ्य विभाग में नर्सिंग ऑफिसर है और मुरैना जिले की रहने वाली है। वह अटेर रोड स्थित एक कॉलोनी में बिजली कंपनी में पदस्थ अधिकारी के मकान में किराए से रहती है। महिला मकान के निचले तल पर रहती है। महिला ने पुलिस को बताया कि उसके हिस्से के बाथरूम में पानी नहीं आ रहा था। इस पर मकान मालिक ने उसे ऊपर बने बाथरूम का इस्तेमाल करने के लिए कहा। इसके बाद वह ऊपर के तल पर नहाने गई थी।

एक कचौड़ी, दो समोसा पर बोले शिवराज-ऐसी नौबत क्यों आई

भोपाल। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोशल मीडिया पर चल रहे ह्यएक कचौड़ी, दो समोसा, इन मर्दों का क्या भरोसाह्ल नारे का जिक्र करते हुए सवाल उठाया कि आखिर ऐसी नौबत क्यों आई।

उन्होंने कहा कि अगर बेटियां पुरुषों पर भरोसा नहीं कर पाएंगी तो समाज और देश कैसे आगे बढ़ेगा। उन्होंने पुरुषों, बेटों और उनके माता-पिता से आत्ममंथन करने की अपील की। भोपाल में आयोजित ऍएजुकेशन स्कॉलरशिप कार्यक्रम में शिवराज ने कहा, ह्लआखिर ऐसी नौबत क्यों आई कि मेरी बेटियों को यह नारा लिखना पड़ रहा है।ह्ल उन्होंने कहा कि बेटियों का मान-सम्मान और उनकी सुरक्षा केवल परिवार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि कई बार बेटियों को गलत नजरों से देखने वाले लोग अनजान नहीं, बल्कि जान-पहचान के ही होते हैं। ऐसे में पुरुषों, बेटों और उनके माता-पिता को भी आत्ममंथन करना होगा। शिवराज ने कहा, ह्लयह नारा कभी सार्थक और सफल नहीं होना चाहिए।ह्ल उन्होंने कहा कि नारी उनके लिए मां के समान और बेटी देवी के समान है और उनके सम्मान व सुरक्षा के लिए वे हरसंभव प्रयास करते रहेंगे।

मामा और उनकी दो बेटियों समेत चार घायल, भर्ती...

अनूपपुर। अनूपपुर के अमोदा गांव में 32 वर्षीय युवक ने पहले शुक्रवार देर रात मंदिर के पुजारी पर डंडे से हमला किया। ग्रामीणों ने उसे हाथ-पैर बांधकर घर के पास बैठा दिया। शनिवार अल सुबह 4 से 5 बजे उसकी मां ने शांत समझकर रस्सी खोल दी। इसके कुछ देर बाद युवक ने डंडा उठाया और नाना-नानी, मां व ममेरी बहन पर हमला कर दिया। चारों की मौत हो गई। घायल मामा, उनकी दो बेटियों समेत 4 को अस्पताल में भर्ती हैं।

घटना छोटी तुम्मी ग्राम पंचायत के अमोदा गांव की है। पुलिस के अनुसार, आरोपी प्रेम सिंह गोंड (32) मूल रूप से उमरिया के नौरोजाबाद का है। वह कुछ समय से अपनी मां के साथ अमोदा में अपने नाना-नानी के घर रह रहा था। शुक्रवार देर रात आरोपी पर डंडे से हमला किया। इसके बाद आरोपी को बांध दिया गया। सुबह मां ने रस्सी खोली तो कुछ देर बाद ही युवक ने डंडा उठाया और नानी भन्नी बाई गोंड (70) पर हमला किया। बीच-बचाव करने पहुंचे नाना संपत सिंह गोंड (75) व मां अनूपिया बाई (50) को भी मार डाला।

स्ट्रेचर नहीं मिला तो भाई को पीठ पर लेकर वार्ड में पहुंची बहन

गुना। एक बहन अपने दिव्यांग भाई को पीठ पर लादकर जिला अस्पताल के वार्ड तक ले जा रही है। भाई की हालत ऐसी है कि वह खुद चल नहीं सकता। बहन उसे लेकर अस्पताल पहुंची, लेकिन उसके मुताबिक स्ट्रेचर नहीं मिला। उसने भाई को पीठ पर बैठाया और खुद वार्ड तक ले गई। राघौगढ़ क्षेत्र की कृष्णाबाई के अनुसार उसका भाई जगदीश सालभर से बीमार है। वह दिव्यांग भी है, ठीक से चल नहीं सकता। अस्पताल पहुंचने के बाद भी कोई उसकी मदद के लिए नहीं आया। वहीं प्रभारी सिविल सर्जन डॉ. राजकुमार ऋषिश्वर का कहना है कि अस्पताल में स्ट्रेचर पर्याप्त संख्या में उपलब्ध हैं। क्रिटिकल केयर ब्लॉक और पुराने अस्पताल के पास भी स्ट्रेचर रखे रहते हैं। वार्ड बॉय और मल्टी-यूटिलिटी कर्मचारियों की ड्यूटी भी लगी है। कई बार मरीज के अटेंडेंट जल्दबाजी में खुद ही मरीज को उठाकर ले जाते हैं।

भोपाल में 66 जजों के पास डेढ़ लाख केस पेंडिंग

भोपाल। मप्र में मुकदमों के बोझ तले इंसाफ की चाल सुस्त पड़ गई है। पक्षकार अदालत आ रहे हैं और बस तारीख लेकर लौट रहे हैं। वो भी महीनों लंबी। प्रदेश की जिला अदालतों में अभी 21 लाख से ज्यादा केस पेंडिंग हैं। इनमें 2 लाख 72 हजार 435 केस ऐसे हैं, जिनमें तीन महीने से ज्यादा लंबी तारीख दी गई है। न्यायिक भाषा में इसे ह्यएक्सेसिव डेट केसह्ल कहा जाता है। ऐसे मामलों में इंदौर सबसे ऊपर है। यहां 67,108 मामलों में तीन महीने से ज्यादा लंबी तारीख सुनवाई के लिए दी गई है। दूसरे नंबर पर 26,611 मामलों के साथ भोपाल है।

5 अक्टूबर तक नियमितिकरण के लिए परीक्षा का नोटिफिकेशन जारी करने की दी चेतावनी

मप्र के 4500 संविदा बिजलीकर्मी करेंगे आंदोलन

ब्रह्मास्त्र ▸▸ भोपाल



बिजली कंपनियों में कार्यरत साढ़े चार हजार से अधिक संविदा अधिकारियों और कर्मचारियों को नियमित करने की योजना जारी होने के बाद भी ऊर्जा विभाग अब तक परीक्षा का नोटिफिकेशन जारी नहीं कर सका है। योजना के तहत परीक्षा में सफल होने वाले संविदा कर्मचारियों और अधिकारियों की मेरिट सूची परीक्षा में प्राप्त अंकों के साथ संविदा सेवा के आधार पर मिलने वाले बोनस अंकों को जोड़कर तैयार की जानी है।

परीक्षा की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ने से संविदा कर्मचारियों और अधिकारियों में नाराजगी है। उन्होंने दिवाली से पहले बड़े आंदोलन की चेतावनी दी है।

यूनाइटेड फोरम फॉर पॉवर एम्प्लाइज एसोसिएशन ने कहा है कि यदि 5 अक्टूबर तक परीक्षा का नोटिफिकेशन जारी नहीं हुआ तो आंदोलन शुरू किया जाएगा। पहले चरण में एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन होगा। इसके बाद भी कार्रवाई नहीं होने पर दिवाली से पहले सात दिन का नोटिस देकर अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार किया जाएगा। फोरम का कहना है कि इससे बिजली सप्लाई प्रभावित हो सकती है। फोरम के प्रांताध्यक्ष इंजीनियर आरएस कुशवाह ने बताया कि इस संबंध में ऊर्जा विभाग को पत्र लिखकर चेतावनी दी जा चुकी है। कर्मचारियों के समर्थन में फोरम की ओर से विशेष ट्विटर अभियान भी चलाया गया है।

योजना के तहत वही संविदा कर्मचारी आवेदन कर सकेंगे, जिन्होंने योजना की स्वीकृति तिथि तक संबंधित उत्तरवर्ती कंपनी में कम से कम दो साल की संविदा सेवा पूरी कर ली हो। दो अनुबंधों के बीच के अंतराल को सेवा में व्यवधान नहीं माना जाएगा, लेकिन इस अवधि को अनुभव में नहीं जोड़ा जाएगा।

यदि किसी कर्मचारी की दोबारा संविदा नियुक्ति हुई है तो सेवा से बाहर रहने की अवधि घटाकर अनुभव की गणना की जाएगी।

24 जुलाई को जारी हुई थी नियमित नियुक्ति योजना

ऊर्जा विभाग ने 24 जुलाई को 'संविदा आधार पर कार्यरत कार्मिकों की समकक्ष नियमित पदों पर नवीन नियुक्ति योजना-2026' का सर्कुलर जारी किया था। इसके तहत पात्र संविदा कर्मचारियों को उपलब्ध नियमित रिक्त पदों पर नई नियुक्ति देने का फैसला लिया गया है।

योजना का लाभ एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी, पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी, पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी, मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी और मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी में कार्यरत पात्र संविदा कर्मचारियों को मिलेगा।

इसमें लाइन अटेंडेंट, टेस्टिंग अटेंडेंट, जूनियर इंजीनियर और असिस्टेंट इंजीनियर जैसे पद शामिल हैं। योजना के क्रियान्वयन के लिए संबंधित कंपनियों के प्रबंध संचालकों को अधिकृत किया गया है।

अग्रसेन जयंती पर अग्रवाल युवा मंच करेगा गौसेवा

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

महाराजा अग्रसेन जयंती 2026 के उपलक्ष्य में अग्रवाल युवा मंच द्वारा 4 अक्टूबर (रविवार) को सुबह 11 बजे बुधवारिया में एसबीआई बैंक के सामने स्थित माधव गौशाला में गौसेवा का आयोजन किया जाएगा। पिछले 35 वर्षों से शहर के विभिन्न स्थानों पर चली आ रही इस परंपरा के तहत मंच परिवार, समाज के ट्रस्टीगण, महिलाएं, बच्चे और अन्य अग्रबंधु एकत्रित होकर गौमाता की सेवा करेंगे। इस दौरान गायों को हरा चारा, खली, भूसा, दवाइयां, गुड़, चुनी और खोपरा आदि सामग्री भेंट की जाएगी।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सिंहस्थ मेला प्राधिकरण के अध्यक्ष जगदीश अग्रवाल उपस्थित रहेंगे। विशेष अतिथि के तौर पर वरिष्ठ समाजसेवी सरोज अग्रवाल और बीडी बैंक के संचालक आलोक अग्रवाल शिरकत करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री अग्रवाल पंचायत न्यास के अध्यक्ष निमेष अग्रवाल करेंगे। मंच का संचालन अरविंद गोयल और रितेश गोयल द्वारा किया जाएगा।

संस्था अध्यक्ष कमलेश गर्ग और सचिव मुकेश अग्रवाल ने समाज के सभी अग्रबंधुओं से इस आयोजन में पधारकर धर्मलाभ लेने की अपील की है। उनका कहना है कि वर्तमान में गौमाता को कटने से बचाने और उनके संरक्षण के लिए गौशालाओं का होना अत्यंत आवश्यक है। आयोजन को सफल बनाने के लिए संजय गोयल, त्रिलोक अग्रवाल, रितेश गोयल, दिनेश गर्ग और डॉ. मनोज अग्रवाल को संयोजक बनाया गया है। संपूर्ण आयोजन की व्यवस्था कोषाध्यक्ष दीपक गोयल और मार्गदर्शक योगेश गोयल की देखरेख में रहेगी। कार्यक्रम की यह जानकारी आयुष चौधरी ने दी।

सिंहस्थ 2028 की तैयारियों में प्रभावित परिवारों के पुनर्वास की पहल

53 परिवारों को लॉटरी से आवंटित किए भूखंड

महापौर मुकेश टटवाल की उपस्थिति में नगर निगम मुख्यालय में संपन्न हुई लॉटरी प्रक्रिया, पंवासा ईडब्ल्यूएस कॉलोनी में मिलेंगे भूखंड

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन



सिंहस्थ महापर्व 2028 के अंतर्गत दो तालाब (शिंदे नर्सिंग होम) से शांति नगर मुख्य मार्ग (महावीर मार्ग) तक प्रस्तावित मार्ग चौड़ीकरण कार्य से प्रभावित 53 परिवारों के पुनर्वास की दिशा में नगर निगम द्वारा महत्वपूर्ण पहल की गई है। इन परिवारों को पंवासा स्थित ईडब्ल्यूएस कॉलोनी में भूखंड आवंटित करने के लिए शनिवार को नगर निगम मुख्यालय स्थित पंडित अटल बिहारी वाजपेयी सभागृह में महापौर श्री मुकेश टटवाल की उपस्थिति में पारदर्शी लॉटरी प्रक्रिया आयोजित की गई। लॉटरी के माध्यम से सभी 53 प्रभावित परिवारों को भूखंड आवंटित किए गए।

लॉटरी प्रक्रिया के पश्चात सभी प्रभावित परिवारों को पंवासा स्थित ईडब्ल्यूएस कॉलोनी का अवलोकन भी कराया जाएगा, जिससे वे वहां उपलब्ध सुविधाओं एवं आवासीय व्यवस्था की जानकारी प्राप्त कर सकें।

इस अवसर पर महापौर श्री मुकेश टटवाल ने प्रभावित परिवारों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी परिवारों ने सिंहस्थ महापर्व 2028 के सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन तथा शहर के विकास को ध्यान में रखते हुए मार्ग चौड़ीकरण कार्य में अपने मकानों को देने के लिए सहमति प्रदान की है। इसके लिए आप सभी परिवार धन्यवाद के पात्र हैं। नगर निगम आपकी सुविधाओं और पुनर्वास का पूरा ध्यान रखेगा तथा किसी भी प्रकार की समस्या नहीं आने दी जाएगी।

महापौर ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के निर्देशानुसार नगर निगम द्वारा प्रभावित परिवारों के लिए पंवासा स्थित ईडब्ल्यूएस कॉलोनी में भूखंडों की व्यवस्था की गई है। यह एक सुव्यवस्थित कॉलोनी है, जहां नागरिकों की सुविधा के लिए सड़क, पानी, प्रकाश, उद्यान सहित सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। हमारा प्रयास है कि प्रभावित परिवारों को एक बेहतर आवासीय वातावरण उपलब्ध हो और उन्हें किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

मप्र से मानसून की विदाई, 100 दिन सक्रिय रहा

ब्रह्मास्त्र ▸▸ भोपाल

मध्य प्रदेश से मानसून की विदाई की घोषणा हो गई है। 24 जून को इसकी एंट्री हुई थी और 3 अक्टूबर को विदाई। इस बार दक्षिण-पश्चिम मानसून प्रदेश में 100 दिन सक्रिय रहा। हालांकि, अक्टूबर में रिमझिम बारिश का दौर जारी रहेगा। 7 अक्टूबर को पूर्वी हिस्से में गरज-चमक, आंधी के साथ बारिश का अनुमान है।

मौसम विशेषज्ञ शैलेंद्र कुमार नायक ने बताया कि दक्षिण-पश्चिम मानसून की विदाई के साथ मौसम अब नए चरण में प्रवेश कर गया है। इस महीने दिन में गर्मी रहेगी जबकि रात में ठंड का असर देखने को मिलेगा। ज्यादातर शहरों में न्यूनतम तापमान 20 डिग्री से नीचे रहने की संभावना है। अगस्त-सितंबर जैसी बारिश तो नहीं, लेकिन रिमझिम जरूर होती रहेगी। मध्य प्रदेश में 24 जून को मानसून एंटर हुआ था। 9 दिन के अंदर पूरे प्रदेश में छा गया। इसके बाद जून में 6 दिन, जुलाई में 31 दिन, अगस्त में 31 दिन, सितंबर में 30 दिन और अक्टूबर में 2 दिन मानसून सक्रिय रहा। हालांकि, मानसूनी पीरियड की बात करें तो यह 1 जून से 30 सितंबर तक रहता है। इस दौरान होने वाली बारिश ही दक्षिण-पश्चिम मानसूनी बारिश कहलाती है।

दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान प्रदेश में कुल 908.4 मिमी यानी 35.8 इंच (95.9 प्रतिशत) बारिश हुई। यह सामान्य बारिश 37.3 इंच (949.5 मिमी) की तुलना में 1.5 इंच कम है। वहीं, ओवरऑल 4 प्रतिशत कम पानी गिरा है। पूर्वी हिस्से में 4% ज्यादा और पश्चिमी हिस्से में औसत से 12% बारिश कम हुई है। प्रदेश के पूर्वी हिस्से- जबलपुर, रीवा, सागर और शहडोल संभाग में यह आंकड़ा चार प्रतिशत ज्यादा है। अधिकांश जिलों में कोटे से ज्यादा पानी गिर चुका है, लेकिन बालाघाट, छिंदवाड़ा, दमोह, जबलपुर, नरसिंहपुर, पांढुर्णा, रीवा, सागर, सिवनी में 5% से 21% तक कम बारिश हुई है। वहीं, पश्चिमी हिस्से के आलीराजपुर, अशोकनगर, बड़वानी, बैतूल, देवास, धार, हरदा, इंदौर, झाबुआ, खंडवा, मंदसौर, मुरैना, नर्मदापुरम, नीमच, रायसेन, रतलाम, सीहोर, शाजापुर, उज्जैन और विदिशा में औसत से 9% से 51% कम पानी गिरा है।

धर्म ग्रंथों में सामंजस्य का संदेश दे रही पंडित मुस्तफा की 'गीता भारती'

गीता मर्मज्ञ दास नारायण बोले- ज्ञान व प्रेम की ज्योति फैला रहे मुस्तफा, 786 मुक्तकों में किया गया गीता का अनुवाद

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

धर्म ग्रंथों के बीच सामंजस्य स्थापित करने के उद्देश्य से मुंबई के फनकार हॉल में कैफे बॉलीवुड द्वारा पंडित मुस्तफा आरिफ की रचना 'गीता भारती' पर एक विशेष विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पंडित मुस्तफा द्वारा रचित 786 मुक्तकों के माध्यम से भगवद गीता के संदेशों और कुरान के साथ उसकी वैचारिक समानता पर विस्तार से चर्चा करते हुए ज्ञान और प्रेम का संदेश दिया गया।

गोष्ठी में पंडित मुस्तफा ने बताया कि कुरान पर 10 हजार छंदों की रचना के बाद उन्हें भगवद गीता के उपदेशों पर काम करने की प्रेरणा मिली। उन्होंने कहा, ₹मेरा मिशन धर्म ग्रंथों में सामंजस्य स्थापित करना है। कुरान में भी पूर्व में धरती पर उतारी गई किताबों पर ईमान लाने का संदेश है, इसलिए कुरान से पांच हजार वर्ष पूर्व आई गीता को भी हमें मानना चाहिए।₹ उन्होंने स्पष्ट किया कि परमात्मा की कोई भाषा नहीं होती, ग्रंथ उसी भाषा में दिए गए जो क्षेत्र विशेष के लोगों को समझ आती थी। उनके मुक्तक आम बोलचाल की भाषा में हैं जिन्हें आसानी से गाया जा सकता है।

कार्यक्रम में गीता मर्मज्ञ दास नारायण ने पंडित मुस्तफा के कार्य की सराहना करते हुए कहा, ₹मैं ईश्वर को धन्यवाद देता हूं कि ऐसा व्यक्ति इस पुनीत कार्य के लिए जन्मा। प्रेम ही धर्म है, वृक्ष का तना प्रेम है और शाखाएं बाद में अलग-अलग रूप लेती हैं।₹ इस दौरान दास नारायण की कृति पर भी विस्तार से चर्चा की गई। संगीत निर्देशक विवेक प्रकाश ने बताया कि वे भजन सम्राट पद्मश्री अनूप जलोटा के साथ मिलकर गीता भारती की रिकॉर्डिंग योजना पर काम कर रहे हैं। उन्होंने जानकारी दी कि वे भगवद गीता पर आधारित पांच कृतियों को रिकॉर्ड कर चुके हैं, जिनमें पद्मश्री अनवर जलालपुरी का उर्दू अनुवाद भी शामिल है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत अटल उद्यान में हुआ आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शनिवार को वार्ड क्रमांक 15 मोदी का चोपड़ा स्थित अटल उद्यान में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव जी की अध्यक्षता तथा राज्यसभा सांसद बाल योगी संत श्री उमेशनाथ जी महाराज के मुख्य आतिथ्य एवं नगर भाजपा अध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल, मंडल अध्यक्ष श्री रितेश जटिया सहित वार्ड के सम्माननीय नागरिकों, आंगनवाड़ी कार्यकताओं एवं भाजपा पदाधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आंगनवाड़ी केंद्रों को पोषण शिक्षा, जनजागरूकता एवं सम्मान के केंद्र के रूप में विकसित करना रहा। इसी क्रम में ह्यकुपोषण से सुपोषण की ओरह्ल विषय पर आधारित पोषण प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में बच्चों एवं महिलाओं के संतुलित एवं पौष्टिक आहार से संबंधित जानकारी प्रदर्शित की गई, जिसका अतिथियों द्वारा अवलोकन किया गया। कार्यक्रम के दौरान लाड़ली लक्ष्मी योजना अंतर्गत प्रमाण-पत्रों का वितरण किया गया। साथ ही आंगनवाड़ी सहायिकाओं एवं कार्यकताओं का सम्मान कर उनके द्वारा किए जा रहे सेवा एवं जनजागरूकता कार्यों की सराहना की गई।

धीरेंद्र शास्त्री बोले- महिलाएं बागेश्वर धाम अकेली न आएं

ब्रह्मास्त्र ▸▸ छतरपुर

छतरपुर जिले के गढ़ा स्थित प्रसिद्ध सिद्धपीठ बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने शनिवार रात श्रद्धालुओं, खासकर माताओं-बहनों से सतर्क रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि महिलाएं अकेली धाम न आएं।

अगर अकेली आएं तो किसी अनजान व्यक्ति या धाम के सेवादार पर भरोसा न करें। उन्होंने श्रद्धालुओं से धाम में बहुत दिनों तक नहीं ठहरने की भी अपील की। शास्त्री ने कहा कि धाम में ऐसी कोई विशेष व्यवस्था नहीं है, इसलिए श्रद्धालु अपनी सुरक्षा के प्रति खुद समझदार, सतर्क और सावधान रहें। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि यदि कोई महिला अकेली धाम आती है तो वह किसी भी अनजान व्यक्ति या यहां के सेवादार पर आंख मूंदकर भरोसा न करे। उन्होंने श्रद्धालुओं से कहा कि मंदिर परिसर और हॉल के अलावा कहीं भी न जाएं।

धीरेंद्र शास्त्री ने स्पष्ट किया कि धाम के 5 किलोमीटर के पूरे परिसर की जिम्मेदारी उनकी नहीं है। उन्होंने कहा कि वे हॉल और मंदिर की जिम्मेदारी ले सकते हैं, लेकिन पूरे परिसर की सुरक्षा की जिम्मेदारी उनकी नहीं है। बागेश्वर धाम प्रशासन ने श्रद्धालुओं से किसी भी अनजान व्यक्ति या सेवादार पर भरोसा नहीं करने, लंबे समय तक धाम में नहीं रुकने और अपनी सुरक्षा व सामान की देखरेख खुद करने की अपील की है। धीरेंद्र शास्त्री ने वृंदावन जैसी धार्मिक नगरियों में हाल में सामने आई घटनाओं का हवाला देते हुए कहा कि वे नहीं चाहते कि किसी अप्रिय घटना के कारण बागेश्वर धाम या श्री बालाजी महाराज की बदनामी हो। उन्होंने श्रद्धालुओं से अनजान लोगों से सावधान रहने कीअपील की।

19वें सेवा सम्मान एवं अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में देशभर से पहुंचे कवि

गीतकार जगदीश सोलंकी को स्व. दुलेसिंह सिकरवार स्मृति सम्मान 2026

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन





सवैया सम्राट स्व. दुलेसिंह सिकरवार की स्मृति में आयोजित 19वां सेवा सम्मान एवं अखिल भारतीय कवि सम्मेलन गुरुवार रात पं. सूर्यनारायण व्यास संकुल, कालिदास संस्कृत अकादमी में हुआ। रात करीब 8 बजे शुरू हुई काव्य संध्या में देश के विभिन्न शहरों से पहुंचे कवियों ने हास्य-व्यंग्य, वीर रस, ओज, श्रृंगार, गीत और गजल की प्रस्तुतियों से देर रात तक श्रोताओं को बांधे रखा। रचनाओं पर सभागार तालियों और ठहाकों से गूंजता रहा।

समारोह में कोटा के सुप्रसिद्ध गीतकार जगदीश सोलंकी को स्व. दुलेसिंह सिकरवार स्मृति सम्मान 2026 प्रदान किया गया। उन्हें सम्मान के साथ अभिनंदन पत्र भी भेंट किया गया। वहीं अखिल विश्व क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठा. जोगेंद्रसिंह भदौरिया का भी सम्मान किया गया। कवि सम्मेलन में हास्य-व्यंग्य की प्रस्तुतियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। एक कवि ने पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति और भारतीय युवाओं के मोबाइल रिचार्ज पर चुटीला व्यंग्य करते हुए कहा कि जितना पाकिस्तान का सालाना बजट है, उतना तो भारत में लड़के-लड़कियां मोबाइल में रिचार्ज करवा देते हैं। इस पर सभागार ठहाकों से गूंज उठा। वहीं वीर रस और ओज की कविताओं ने श्रोताओं में जोश भरा, जबकि गीत, गजल और श्रृंगार रस की प्रस्तुतियों ने माहौल को भावपूर्ण बनाया। कार्यक्रम में उज्जैन के सतीश सागर, वाराणसी की विभा सिंह, इटावा के गौरव चौहान, देवास के कुलदीप रंगीला, आगरा की निभा चौधरी, खरगोन के कुमार संभव, गाजियाबाद के मोहित शौर्य तथा रामगंजमंडी के अर्जुन अल्हड़ सहित कवियों ने रचनाएं प्रस्तुत कीं। मंच संचालन कवि दिनेश दिग्गज ने किया। कार्यक्रम के संरक्षक एवं मार्गदर्शक राजेशसिंह कुशवाह तथा संयोजक श्यामसिंह सिकरवार रहे। आयोजन मध्यप्रदेश संस्कृति संचालनालय एवं स्व. दुलेसिंह सिकरवार स्मृति मंच के तत्वावधान में हुआ। समारोह में नगर निगम अध्यक्ष कलावती यादव, सोसायटी फॉर प्रेस क्लब अध्यक्ष नंदू यादव, भाजपा नगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल, संपादक राजेंद्र आगाल सहित सामाजिक, राजनीतिक और पत्रकारिता क्षेत्र से जुड़े लोग मौजूद रहे। आयोजन समिति के सदस्यों ने अतिथियों और सम्मानित विभूतियों का स्वागत किया।

दृष्यम 3 से डरे 'उड़ता तीर' के मेकर्स

क्लैश से बचने के लिए दूसरी बार बदली रिलीज डेट

आयुष्मान खुराना और सारा अली खान की अपकमिंग फिल्म 'उड़ता तीर' की रिलीज दूसरी बार टल गई है। पहले फिल्म 11 सितंबर को रिलीज होने वाली थी, लेकिन बाद में रिलीज डेट 9 अक्टूबर हो गई। लेकिन अब दृष्यम 3 की बेहतरीन कमाई होते देख मेकर्स ने फिर इसकी रिलीज टाल दी है। जानते हैं फिल्म बार-बार पोस्टपोन करने की 3 बड़ी वजह और ट्रेड एक्सपर्ट की राय- अजय देवगन, तबू और जयदीप अहलावत स्टारर फिल्म दृष्यम 3, 2 अक्टूबर को रिलीज हुई है। इस फिल्म ने पहले ही दिन 62 करोड़ की कमाई कर रिकॉर्ड बनाया है। फिल्म का मौजूदा बज देखते हुए अनुमान लगाया जा सकता है कि फिल्म अगले हफ्ते तक सिनेमाघरों और बॉक्स ऑफिस में पकड़ बनाए रखेगी, ऐसे में अगर उड़ता तीर इसके साथ रिलीज हुई, तो फिल्म को नुकसान हो सकता है। मराठी फिल्म गोंधल (2025) को ऑस्कर में ऑफिशियल एंट्री मिली है। 9 अक्टूबर को इस फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज किया जा रहा है। गोंधल को सिनेमाघरों में स्क्रीन दी जाएंगी और दृष्यम 3, हनुमान अंश पहले ही सिनेमाघरों में होंगी। ऐसे में उड़ता तीर के लिए स्क्रीन काउंट कम मिलने का खतरा हो सकता था।

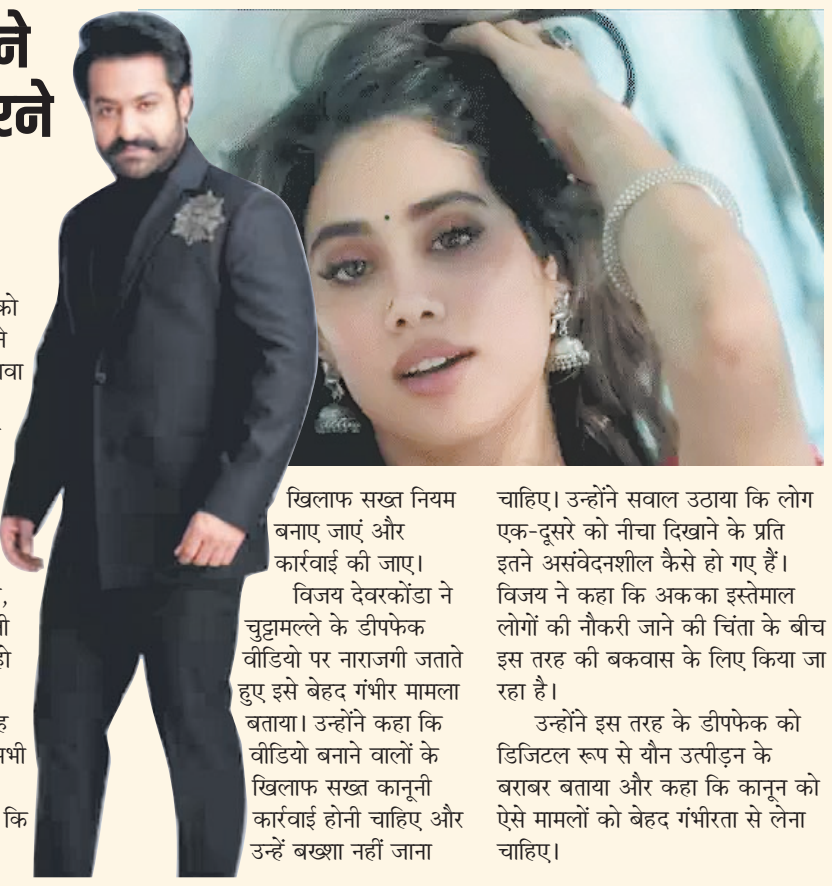


यामी गौतम की फिल्म का एक हफ्ते बाद ही रिलीज होना

अगर उड़ता तीर, 9 अक्टूबर को रिलीज होती, तो दृष्यम 3, गोंधल, हनुमान अंश से क्लैश तो होता, लेकिन साथ ही एक हफ्ते बाद ही फिल्म को 16 अक्टूबर को रिलीज होने वाली यामी गौतम की नई नवेली का सामना भी करना पड़ता। नई नवेली, पहले ही सोशल मीडिया पर चर्चा में है, जबकि उड़ता तीर का बज कम है। ऐसे में फिल्म के लिए डिस्ट्रीब्यूशन और थिएटर मिलने में दिक्कतें हो सकती थीं।

चुट्टामल्ले के डीपफेक वीडियो पर भड़के जूनियर NTR

बोले- महिलाओं को देवी मानने वाले देश में AI से अपमान करने वालों को नहीं छोड़ूंगा



साउथ एक्टर जूनियर ठळफने उनकी फिल्म ह्यदेवराः पार्ट 1ह्ल के गाने चुट्टामल्ले के अकसे बनाए गए मॉर्फ्ड (डीपफेक) वीडियो को लेकर भड़क गए। यह गाना जान्हवी कपूर के साथ फिल्माया गया था।

एक्स पर पोस्ट में उन्होंने लिखा, ह्यह बेहद घिनौना, शर्मनाक और निंदनीय है। जिस देश में महिलाओं को मां और देवी के रूप में सम्मान दिया जाता है और मातृदेवो भव हमारी संस्कृति का हिस्सा है, वहां कुछ लोग अकका इस्तेमाल कर एक महिला का इस तरह अपमान कर रहे हैं। जूनियर ठळफने मॉर्फ्ड ह्यचुट्टामल्लेह्ल वीडियो बनाने और उसे फैलाने वालों को कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने लिखा कि ह्यचुट्टामल्लेह्ल के इस मॉर्फ्ड वीडियो को बनाने और फैलाने वालों के खिलाफ मैं हर संभव कानूनी कार्रवाई करूंगा। मैं उनमें से किसी को भी नहीं छोड़ूंगा। अभिनेता ने लोगों से ऐसे कंटेंट को बढ़ावा नहीं देने की अपील की। उन्होंने लिखा, ह्लमैं लोगों से अपील करता हूं कि ऐसे कंटेंट को न देखें, न शेयर करें और न ही उस पर प्रतिक्रिया दें। आज यह किसी और के साथ हुआ है, कल आपकी मां, बहन, पत्नी या बेटी भी इसका शिकार हो सकती है।

उन्होंने आगे लिखा, यह बेहद गंभीर मामला है। मैं सभी राज्य सरकारों और भारत सरकार से अपील करता हूं कि अकके गलत इस्तेमाल के खिलाफ सख्त नियम बनाए जाएं और कार्रवाई की जाए।

विजय देवरकोंडा ने चुट्टामल्ले के डीपफेक वीडियो पर नाराजगी जताते हुए इसे बेहद गंभीर मामला बताया। उन्होंने कहा कि वीडियो बनाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए और उन्हें बख्शा नहीं जाना चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि लोग एक-दूसरे को नीचा दिखाने के प्रति इतने असंवेदनशील कैसे हो गए हैं। विजय ने कहा कि अकका इस्तेमाल लोगों की नौकरी जाने की चिंता के बीच इस तरह की बकवास के लिए किया जा रहा है।

उन्होंने इस तरह के डीपफेक को डिजिटल रूप से यौन उत्पीड़न के बराबर बताया और कहा कि कानून को ऐसे मामलों को बेहद गंभीरता से लेना चाहिए।

संजय दत्त को हथकड़ी लगते देख रो पड़े पिताःएक्टर बोले- वो सदमे में थे



संजय दत्त ने हाल हीमें शेखर सुमन के शो शेखर टुनाइट में जेल के दिनों को याद करते हुए बताया कि गिरफ्तारी के दौरान उनके पिता सुनील दत्त के सामने उन्हें हथकड़ी पहनाई गई थी। उस समय उनके पिता की आंखों में आंसू आ गए थे।

संजय दत्त को 1993 में गिरफ्तार किया गया था। उन्हें गैर-कानूनी तरीके से हथियार रखने के आरोप में जेल की सजा हुई थी। बाद में वे आतंकवाद के आरोपों से बरी हो गए, लेकिन आर्म्स एक्ट के तहत दोषी ठहराए गए और कई बार जेल गए। शेखर सुमन के टॉक शो में संजय दत्त ने बताया कि जेल अधिकारियों ने उन्हें मानसिक रूप से तोड़ने की कोशिश की थी। शेखर सुमन ने दर्शकों से कहा, ह्यसंजय दत्त को ह्यअंडा सेलह्ल में रखा गया था, फिर भी उन्होंने अपना मानसिक संतुलन बनाए रखा ह्ल इसके बाद उन्होंने संजय से पूछा, ह्यक्या कभी ऐसी स्थितियों में आपको अपनी जान देने का ख्याल आया? संजय दत्त ने जवाब दिया, ह्यकभी नहीं ह्ल इसके बाद उन्होंने संजय से पूछा, ह्यवह कौन-सा पल था, जब आपने खुद को सबसे कमजोर महसूस किया?ह्ल संजय ने कहा, ह्यमुझे पता था कि मेरे पिता और परिवार ने बहुत मुश्किल हालात का सामना किया है। लेकिन मैंने कभी खुद को कमजोर महसूस नहीं किया। आगे उन्होंने कहा, ह्यजब पुलिस पहली बार आई और मुझे हथकड़ी पहनाई, तो मेरे पिता सदमे में आ गए। उनकी आंखों में आंसू थे। उन्होंने कहा, ह्लतुम मेरे बेटे के साथ क्या कर रहे हो? संजय ने बताया, ह्यमैंने उन्हें कसकर गले लगाया और कहा, ह्लआप इन हथकड़ियों से परेशान क्यों हो रहे हैं? ऐसा मत कीजिए।

सलमान खान की मातृभूमि को सरकार से एनओसी



सलमान खान की फिल्म मातृभूमि को सरकार से एनओसी मिल गई है। अब फिल्म को सीबीएफसी की मंजूरी का इंतजार है। भारत-चीन के बीच 2020 में हुए टकराव पर बनी इस फिल्म में कई बदलाव किए गए हैं। सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि किसी देश के सम्मान को ठेस न पहुंचे।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, सूचना और प्रसारण मंत्रालय को मेकर्स के दिए मातृभूमि के नए वर्जन से कोई आपत्ति नहीं है।इसके बाद इस वॉर-ड्रामा फिल्म को एनओसी दे दी गई है। एनओसी मिलने के बाद फिल्म इस साल के आखिर में सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है। फिल्म की आधिकारिक रिलीज डेट अभी सामने नहीं आई है। हालांकि, सलमान खान और उनकी टीम इसे 13 नवंबर को रिलीज करने पर विचार कर रही है। उनका मानना है कि दिवाली के बाद का फेस्टिव माहौल फिल्म की रिलीज के लिए सही रहेगा।

फिल्म की सेंसर प्रक्रिया अभी पूरी नहीं हुई है। मेकर्स जल्द ही फिल्म को सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन के पास जमा करेंगे। अगर मंजूरी मिल जाती है और यह प्रक्रिया इसी महीने पूरी हो जाती है, तो सलमान और उनकी टीम फिल्म को 13 नवंबर को रिलीज कर सकती है।

ठडउ के बाद सीबीएफसी सर्टिफिकेट जरूरी

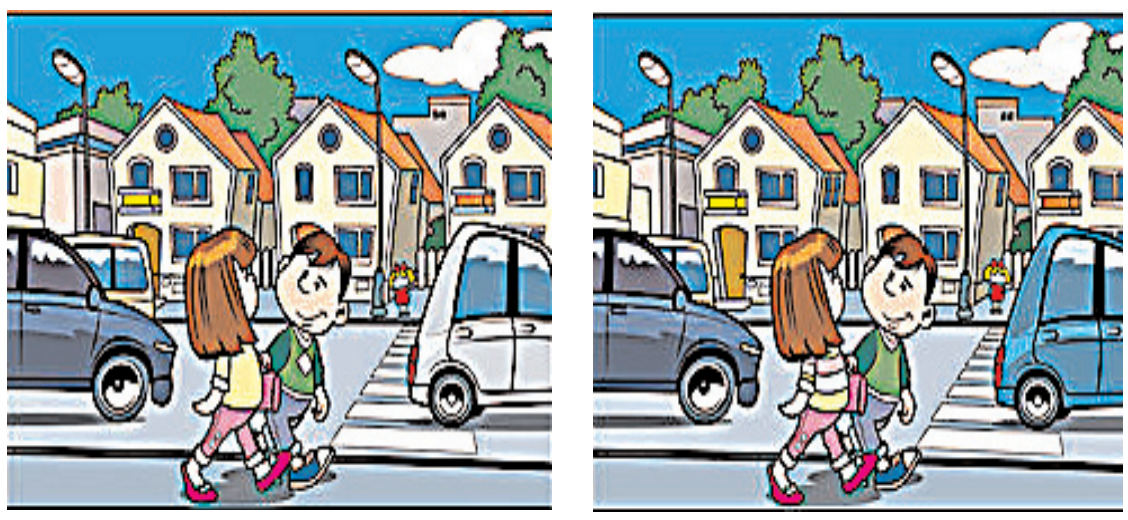
एनओसी और सीबीएफसी की मंजूरी अलग-अलग प्रक्रियाएं हैं। मंत्रालय से एनओसी मिलने के बाद फिल्म सीबी एफसी के पास भेजी जाती है।

सीबीएफसी से सर्टिफिकेट मिलने के बाद ही फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार मानी जाती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 10 दिनों में फिल्म की स्थिति पूरी तरह साफ हो जाएगी।

ओरिजिनल वर्जन में किए गए बदलाव

फिल्म जिस घटना पर आधारित है, वह चीन से तनावपूर्ण रिश्तों के बीच घटी थी, हालांकि अब चीन के साथ सुधरे रिश्तों को देखते हुए सरकार ने फिल्म के कुछ हिस्सों पर आपत्ति जताई थी।

जासूस बनिए....अंतर ढूंढो...



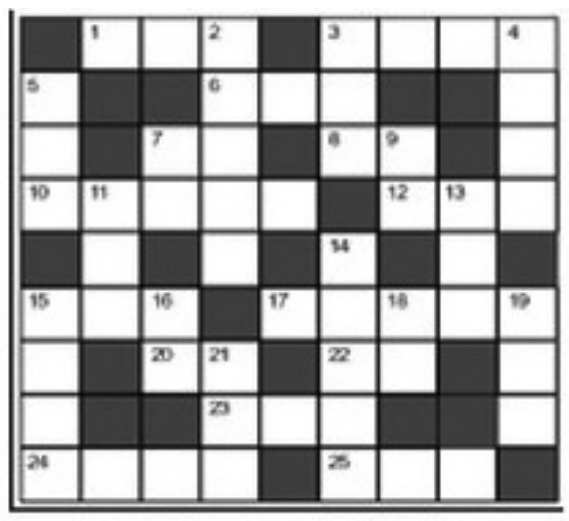
रंग भरकर चित्र बनाओ



जोक्स

टीचरः कौन सी जाति के लोग अच्छे नागरिक होते हैं ?
छात्रः बनिए !
टीचरः वो कैसे ?
छात्रः क्योंकि सर हर जगह लिखा होता है देश के अच्छे नागरिक बनिए।

मास्टर जीः सबसे ज्यादा नशा किसमें होता है?
छात्रः किताब में
मास्टर जीः कैसे?
छात्रः क्योंकि किताब खोलते ही नींद आ जाती है ??



वर्ग पहेली



बाएं से दाएं

1. लालसा, मांग-3
3. मोटरगाड़ी-4
6. दरवाजे पर दी गई थाप-3
7. मां की माता-2
8. पार्थिव देह-2
10. संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, माधुरी की फिल्म-5
12. स्वदेश, जन्मभूमि-3
15. पाबंदी, रोक-3
17. आश्चर्यचकित होना-5
20. नासिका-2
22. आनेवाला दिन-2
23. समतल-3
24. शमशीर, कृपाण-4
25. फिजूल, व्यर्थ-3

ऊपर से नीचे

2. दुर्जन, बेइमान-5
3. जिसके सिर पर बल न हो, गंजा-3
4. साहूकार, व्यापारी-4
5. जांच, परीक्षण-3
7. मां के पिता-2
9. लाश-2
11. तरुणी, किशोरी-3
13. कार्यविधि-3
14. बेइज्जत होना-2, 3
15. हाथी साधने वाला-4
16. मेहंदी-2
18. ताकत, जोर-2
19. अभिनेत्री-3
21. कमी-3

माथा पच्ची

33		3		24		3	=	36
25		10		41		8	=	64
5		2		1		10	=	1
35		10		29		15	=	31
=		=		=		=		=
5		5		36		19	=	69/17

संकेत

शब्दों का जाल

ह	क	प्र	ज	वै	शी	ल	व	ना	क	म				
ती	त	ती	ति	रा	क	ऋ	ति	ज	कृ	पु				
ला	ज	टि	त	ग	ल	प्र	छ	ति	आ	म				
ख	क	क	या	ज	रा	पु	मि	ल	न	ति				
प	जो	क	का	द	ग	म	अ	प्र	तू	ज				
इ	क	ग	प्र	ल	र्द	ह	औ	पू	ना	ष				
ध	खे	ती	न	थी	म	ति	जा	र	व	क				
दे	व	दा	स	ते	ई	धा	या	क	ख्या	लो				
त	प	रा	था	हि	प्र	ई	क	प्र	शै	म				
प	जा	ही	र	न	या	दी	र	तं	ऐ	ता				
प	प्र	ट	क	प्र	प्र	है	या	ग	बा	प्र				

अष्टयोग

	2		6		5	
	33	2	33	4	26	7
4	5		6			3
	34		40	6	32	
1	3	6			7	2
5	30		31		39	
		1		2		4

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक लिखना अनिवार्य है. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

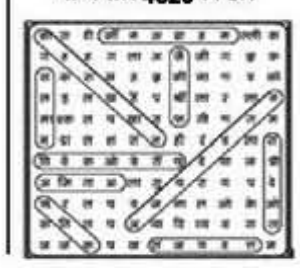
माथा पच्ची का हल

40	+	42	+	3	-	8	=	77
-		+		-		+		-
35	-	15	x	3	-	50	=	10
+		-		+		-		-
25	+	35	x	1	-	25	=	35
-		+		+		-		+
23	x	3	-	9	-	4	=	15
=		=		=		=		=
7	+	25	+	10	-	29	=	69/17

अष्टयोग का हल

1	6	2	4	3	7	5
5	30	3	21	1	35	7
7	5	1	3	4	2	6
2	33	6	39	7	31	3
4	3	5	7	6	1	2
6	33	4	42	5	26	1
3	1	7	6	2	5	4

शब्दजाल का हल



सूडोकु नवताल

सरल

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

इलॉन मस्क का भारतीय मूल की गर्लफ्रेंड से ब्रेकअप

शिवॉन बोलीं- पिछले हफ्ते आई लव यू कहा था, अचानक ब्रेकअप



टेस्ला कंपनी के मालिक इलॉन मस्क का उनकी भारतीय मूल की गर्लफ्रेंड से ब्रेकअप हो गया है। न्यूरालिंक की एग्जीक्यूटिव शिवॉन जिलिस ने मस्क के साथ ब्रेकअप होने की पुष्टि की है। दोनों के साथ में 4 बच्चें हैं।

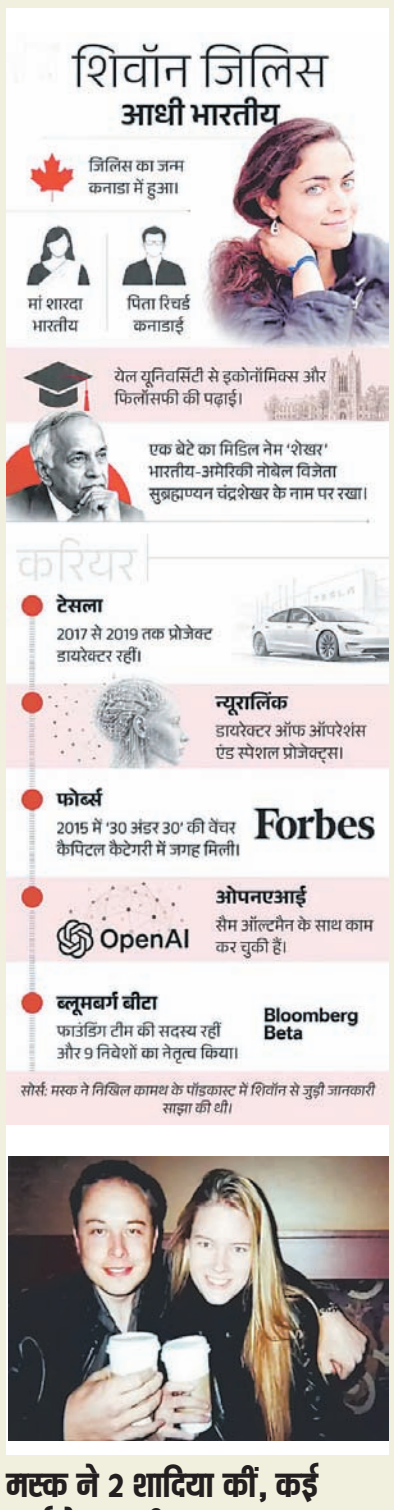
उन्होंने शुक्रवार को पर पोस्ट कर बताया कि मस्क ने एक हफ्ते पहले ही आई लव यू कहा था लेकिन उन्होंने अचानक ब्रेकअप कर लिया। उन्होंने बताया कि उन्हें इसकी पहले से कोई वॉर्निंग नहीं मिली थी।

जिलिस ने कहा- मैं इस ब्रेकअप से दुखी हूं, लेकिन मस्क की अब भी बहुत परवाह करती हूं। मैं चाहूंगी कि वे हमेशा खुश रहें। मुझे उम्मीद है कि हम दोनों आगे भी अच्छे दोस्त रहेंगे और अपने बच्चों की साथ में परवरिश करेंगे।

मस्क 14 बच्चों के पिता, जिलिस 2021 से 2025 के बीच 3 बार मां बनीं

शिवॉन जिलिस और इलॉन मस्क के 4 बच्चे हैं। इनमें जुड़वां बच्चे स्ट्राइडर और एज्योर, बेटी अर्काडिया और बेटा सेल्डन लाइकर्गस शामिल हैं। मस्क ने 2021 में जुड़वां बच्चों के जन्म की जानकारी दी थी। वहीं, अर्काडिया का जन्म 2024 में हुआ था।

इसके बाद जिलिस ने 28 फरवरी 2025 को सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए चौथे बच्चे सेल्डन लाइकर्गस के जन्म की जानकारी दी थी। हालांकि, उन्होंने बच्चे की सटीक जन्म तारीख नहीं बताई थी। सेल्डन इलॉन मस्क का 14वां बच्चा है।



मस्क ने 2 शादिया कीं, कई गर्लफ्रेंड्स रहीं

इलॉन मस्क 2 शादियां कर चुके हैं। जस्टिन विल्सन और तालुलाह रिले उनकी पत्नियां रहीं, जबकि एम्बर हर्ड, ग्रिम्स और शिवॉन जिलिस के साथ उनके रिश्ते चर्चा में रहे हैं।

जस्टिन विल्सन से पहली शादी, 6 बच्चे हुए

1990 के दशक में कनाडा की क्वीन्स यूनिवर्सिटी में फिजिक्स की पढ़ाई के दौरान मस्क की मुलाकात इंग्लिश लिटरेचर की स्टूडेंट जस्टिन विल्सन से हुई। दोनों ने कई साल डेटिंग के बाद जनवरी 2000 में शादी की। 2002 में उनके पहले बेटे नेवाडा का जन्म हुआ। हालांकि, 10 हफ्ते की उम्र में इंफेंट डेथ सिंड्रोम से उसकी मौत हो गई। इसके बाद 2004 में कपल ने क्श्क्रके जरिए जुड़वां बच्चों विवियन और ग्रिफिन का स्वागत किया। 2006 में तीन बच्चे काई, सैक्सन और डेमियन भी क्श्क्रसे हुए। 2008 में मस्क और जस्टिन विल्सन का तलाक हो गया।

स्वतंत्रता दिवस पर मोदी के साथ मशाल जलाने का न्योता दिया

नेतन्याहू ने भारतीय कैप्टन स्मित को फोन किया

ब्रह्मास्त्र ▸▸ तेल अवीव

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने फ्लाईदुबई एयरलाइन के भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छर से करीब 6 मिनट फोन पर बात की। उन्होंने कहा- आप भारत और इजराइल के लोगों के सच्चे हीरो हैं। आप पूरी दुनिया के हीरो हैं। नेतन्याहू ने स्मित को इजराइल आने का न्योता भी दिया। उन्होंने कहा- मैं आपको और अपने दोस्त पीएम मोदी को अगले स्वतंत्रता दिवस पर जश्न की मशाल जलाने का न्योता देना चाहता हूं।

नेतन्याहू ने कैप्टन स्मित से पूछा कि फ्लाइट में आखिर हुआ क्या था। स्मित ने बताया कि हमले से पहले को-पायलट ने प्रेयर करने की इच्छा जताई थी। प्रेयर के कुछ मिनट बाद उसने अचानक उन पर हमला कर दिया। घटना 30 सितंबर को हुई थी। दुबई से इजराइल के तेल अवीव जा रही फ्लाइट में ओमानी को-पायलट ने कैप्टन स्मित पर कुल्हाड़ी से हमला किया था। इसके बाद विमान करीब 2 मिनट में 17 हजार फीट नीचे आ गया।

गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद कैप्टन स्मित ने हमलावर का मुकाबला किया और कॉकपिट का दरवाजा खोल दिया। इसके बाद फ्लाइट क्रू और यात्रियों ने कॉकपिट में



पहुंचकर आरोपी को काबू किया और विमान पर दोबारा नियंत्रण हासिल किया। विमान की सऊदी अरब के तबुक में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। इसमें सवार सभी 174 लोग सुरक्षित बाहर निकल गए।

इजराइल का स्वतंत्रता दिवस योम हा'अत्जमाउत कहलाता है। यह हिब्रू कैलेंडर के 5 इयार को मनाया जाता है, इसलिए ग्रेगोरियन कैलेंडर में इसकी तारीख हर साल बदलती रहती है। 2027 में स्वतंत्रता दिवस 12 मई को होगा। इसका समारोह 11 मई की शाम से शुरू होगा। इसी दौरान यरुशलम के माउंट हर्जल पर मशाल जलाने का खास समारोह आयोजित किया जाता है। यह समारोह योम हजिकारोन यानी सैनिकों और आतंकवादी हमलों में मारे गए लोगों के स्मृति दिवस के खत्म होने और स्वतंत्रता दिवस की शुरूआत का प्रतीक है। समारोह में 12 मशालें एक-एक करके जलाई जाती हैं। ये इजराइल की 12 प्राचीन जनजातियों का प्रतीक मानी जाती हैं।

कैप्टन बोले- को-पायलट ने पीछे से कई वार किए

नेतन्याहू: स्मित, क्या आप मुझे सुन रहे हैं?

कैप्टन स्मितः हां सर, सुन रहा हूं। आप कैसे हैं?

नेतन्याहू: मैं ठीक हूं। आप कैसा महसूस कर रहे हैं?

कैप्टन स्मितः मैं ठीक होने की कोशिश कर रहा हूं।

नेतन्याहू: मुश्किल हालात में भी आपके साहस और सूझबूझ को देखकर मैं हैरान हूं। मैं चाहता हूं कि आप जल्दी ठीक हो जाएं। ये सब कैसे हुआ, मुझे बताइए।

कैप्टन स्मितः वह एक नॉर्मल फ्लाइट थी। को-पायलट ने कहा कि वह प्रेयर करना चाहता है। बहुत से स्थानीय लोग ऐसा करते हैं, इसलिए मुझे यह अजीब नहीं लगा। वह मेरे पीछे बैठकर प्रेयर करने लगा। मैं सामने देख रहा था। करीब 4-5 मिनट बाद अचानक मेरे सिर के पीछे जोरदार वार हुआ। पहले मुझे लगा कि विमान को कोई गंभीर नुकसान हुआ है और कुछ गड़बड़ हो गई है। लेकिन इसके बाद एक के बाद एक वार होते रहे। तब मुझे समझ आया कि विमान को नहीं, बल्कि कॉकपिट में मेरे साथ मौजूद को-पायसट ने मुझ पर हमला किया है।

मैंने उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन मैं कुछ देख नहीं पा रहा था। सब कुछ धुंधला दिखाई दे रहा था। मुझे महसूस हुआ कि विमान तेजी से नीचे जा रहा है। मुझे ठीक से याद नहीं लेकिन मैंने एक बार दरवाजा खोलने की कोशिश की थी। उसने उसे बंद कर दिया। मैं कॉकपिट के फर्श पर पड़ा था और मुझे विमान के नीचे जाने और धक्के जैसी आवाजें सुनाई दे रही थीं। लोग चिल्ला रहे थे।

नेतन्याहू: आपने कॉकपिट का दरवाजा कैसे खोला? क्या आपने वह पिन खींचा था, जिससे दरवाजा खुलता है?

कैप्टन स्मितः दरवाजा अंदर से घुमाकर खोला जा सकता है, जबकि बाहर से इसे केवल कोड के जरिए खोला जा सकता है। दरवाजा खोलने का एकमात्र तरीका उसके नॉब तक पहुंचना था। जैसे ही मेरा हाथ नॉब तक पहुंचा, मैंने उसे घुमाया और दरवाजा खुल गया।

गोलीबारी के बाद भारतीय राजनयिक तलबः कहा- मारे गए लोग पाकिस्तानी

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई दिल्ली

पाकिस्तान विदेश मंत्रालय ने शनिवार को भारतीय राजनयिक को तलब किया। पाकिस्तान ने पंजाब के तरनतारन में भारत-पाक सीमा पर दो लोगों की मौत पर विरोध जताया। पाकिस्तान का दावा है कि दोनों पाकिस्तानी नागरिक थे। सीमा सुरक्षा बल (इरक्ष) की गोलीबारी में मारे गए।

इसके बाद भारतीय विदेश मंत्रालय ने भी पाकिस्तान हाई कमीशन के चार्ज डी'अफेयर्स को तलब कर लगातार हो रही सीमा पार घुसपैठ पर आपत्ति जताई। भारतीय अधिकारियों के मुताबिक ये लोग भारतीय सीमा में घुसने की कोशिश कर रहे थे। चेतावनी देने के बाद इरक्ष ने गोली चलाई।

भारत ने पाकिस्तान की ओर से लगाए गए आरोपों को बेबुनियाद और दुर्भावनापूर्ण बताते हुए खारिज कर दिया है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, 3 लोग पाकिस्तान की तरफ से भारतीय सीमा में घुसे। इरक्ष ने उन्हें कई बार वापस पाकिस्तान लौटने की चेतावनी दी, लेकिन वे पीछे हटने के बजाय सीमा पर लगी बाड़ की तरफ बढ़ते रहे।



इसके बाद इरक्ष ने फायरिंग की, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई। तरनतारन में 7 महीने में घुसपैठ की यह दूसरी घटना है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि मारे गए दोनों लोग निहत्थे नागरिक थे। पाकिस्तान के मुताबिक, वे सीमा के पास गए थे और अनजाने में अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर गए।

पाकिस्तान ने कहा है कि उसके नागरिकों के खिलाफ इस तरह की कार्रवाई सही नहीं है। पाकिस्तान ने मामले की तुरंत, पारदर्शी और विश्वसनीय जांच की मांग की है। साथ ही उसने जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानूनी और अनुशासनात्मक कार्रवाई करने और जांच के नतीजे पाकिस्तान सरकार को बताने को कहा है।

पाकिस्तानी वेबसाइट डॉन के मुताबिक मारे गए लोगों की पहचान आजमत रसूल और मोहसिन जट्ट के रूप में हुई है। दोनों लाधर के जट्टां वाली हवेली इलाके के रहने वाले थे। तीसरा व्यक्ति घायल है और अस्पताल में भर्ती है। पाकिस्तान के आरोपों पर भारत ने कहा कि यह घटना पाकिस्तान से सीमा पार होने वाली हथियार और ड्रग्स की तस्करी से जुड़ी है। भारत ने पाकिस्तान से इन मामलों की जांच करने को कहा है। साथ ही, ड्रग्स की तस्करी में पाकिस्तान के सीमा सुरक्षा बलों की कथित मिलीभगत की भी जांच करने को कहा है।

अमेरिका में हिंदू मंदिर पर हमला

पुजारी समेत श्रद्धालु अंदर मौजूद थे, 15 से ज्यादा बार मंदिरों को निशाना बनाया

ब्रह्मास्त्र ▸▸ ओहायो

अमेरिका के ओहायो में शुक्रवार को हिंदू मंदिर पर ईंटों से हमला किया गया। इसमें मंदिर को काफी नुकसान हुआ। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन के मुताबिक, दोपहर 1:30 बजे श्री स्वामीनारायण वडताल धाम हिंदू मंदिर को निशाना बनाया गया।

रिपोर्ट्स के मुताबिक हमले में मंदिर की खिड़कियां टूट गईं। घटना के समय पुजारी और कई श्रद्धालु मंदिर के अंदर मौजूद थे। इस घटना का उउळश फुटेज मौजूद है। अधिकारी इनकी जांच कर रहे हैं।

हिंदू स्वयंसेवक संघ वरअ के मुताबिक पिछले 5 साल में अमेरिका में हिंदू मंदिरों को निशाना बनाकर 15 से ज्यादा तोड़फोड़ की घटनाएं हुईं। इनमें 6 इअढर मंदिर शामिल थे।

हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने इसे हेट क्राइम बताया

फाउंडेशन ने कहा कि यह संभावित हेट क्राइम हो सकता है। संगठन के मुताबिक, यह घटना ऐसे समय हुई है, जब अमेरिका में हिंदू-अमेरिकी समुदाय के खिलाफ नफरत और हिंसा से भरी बयानबाजी बढ़ी है।

अब तक कोई आरोपी सामने नहीं आया

हमले के मामले में अब तक किसी संदिग्ध की सार्वजनिक पहचान नहीं हुई है और किसी गिरफ्तारी की भी तत्काल पुष्टि नहीं की गई है। अधिकारियों ने अभी तक हमले के पीछे धार्मिक मकसद होने की पुष्टि नहीं की है।

यह घटना ऐसे समय हुई, जब अमेरिका के ओहायो समेत कई हिस्सों में हिंदू संगठन हिंदू हेरिटेज मंथ मना रहे हैं। घटना नवरात्रि से ठीक पहले भी हुई है। हिंदू हेरिटेज मंथ अमेरिका में हर साल अक्टूबर में मनाया जाता है। इस दौरान हिंदू संगठन और समुदाय के लोग हिंदू धर्म, संस्कृति, त्योहारों और परंपराओं से जुड़े कार्यक्रम करते हैं।

संगठन ने कानून लागू करने वाली एजेंसियों से हमलावरों को जल्द पकड़ने को कहा है। साथ ही अमेरिकी नेताओं और सरकारी एजेंसियों से भारतीय और हिंदू-अमेरिकी समुदायों के खिलाफ नफरत भरी बयानबाजी की साफ तौर पर निंदा करने की अपील की है।

ओमानी पायलट ने कैप्टन स्मित पर कुल्हाड़ी से हमला किया

इमरजेंसी के लिए रखी हुई थी; प्लेन में कुल्हाड़ी रखने की 3 वजहें

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इजराइल

इजराइल जा रहे फ्लाईदुबई विमान में ओमानी पायलट ने भारतीय पायलट स्मित मच्छर पर कुल्हाड़ी से हमला किया था। वअए सरकार ने शनिवार को इसकी जानकारी दी।

विमान में आमतौर पर आपात स्थिति के लिए एक कुल्हाड़ी रखी जाती है। विमान में मौजूद यात्रियों की शुरूआती जानकारी में चाकू से हमले की बात कही गई थी। यूएई के अटॉर्नी जनरल ने कहा कि घटना की पूरी परिस्थितियों और हमले के पीछे के मकसद का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

विमान में रखी जाने वाली इस खास कुल्हाड़ी को ह्यक्रैश एक्सह्ल कहते हैं। इसे इमरजेंसी में इस्तेमाल करने के लिए रखा जाता है। अमेरिका में 1955 से विमानों में इसे रखने का नियम लागू है।



विमान में आग लगने पर किसी पैनल को काटकर आग तक पहुंचने के लिए। किसी हिस्से में फंसे लोगों तक पहुंचने या बाहर निकलने का रास्ता बनाने के लिए। आपात स्थिति में कुछ हिस्सों को काटने या खोलने के लिए।

हमले के आरोपी का नाम हमाम अल-हमामी

भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छर पर हमला करने वाले को-पायलट की पहचान हमाम अल-हमामी के रूप में हुई है। वह ओमान का रहने वाला है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जांच में उसके अलकायदा की विचारधारा से प्रभावित होने के सबूत मिले हैं। पूछताछ में अल-हमामी ने बताया कि वह विमान को इजराइल में क्रैश कराना चाहता था।

हमले से पहले भी उसके रवैये पर सवाल उठे थे। 2024 में उसे कट्टरपंथी सोच के कारण ओमान की नेशनल एयरलाइन की पायलट ट्रेनिंग से हटा दिया गया था। बाद में उसे एयरलाइन में दूसरी जिम्मेदारी दी गई। करीब 8 महीने पहले वह फ्लाईदुबई से जुड़ा था। अल अरबिया इंग्लिश के मुताबिक, अल-हमामी ने ओमान से बाहर काफी समय बिताया था और सीरिया में भी लंबे समय तक रहा। इसी दौरान वह कट्टरपंथी विचारों से प्रभावित हुआ। जांच में उसके कुछ धार्मिक लोगों से मुलाकात की जानकारी भी सामने आई है।

होर्मुज में जहाज पर मिसाइल हमला, 5 भारतीय सवार थे, सभी सुरक्षित

नई दिल्ली। होर्मुज स्ट्रेट में शुक्रवार को एक जहाज पर मिसाइल हमला हुआ। इसमें सवार 5 भारतीय नाविकों को सुरक्षित बचा लिया गया है। ओमान में भारतीय दूतावास ने शनिवार को इसकी जानकारी दी।

ये नाविक कुवैत के झंडे वाले टैंकर एमटी काजिमाह क्कक्कपर सवार थे। यह कच्चे तेल से भरा था और अफ्रीका की ओर जा रहा था। हालांकि, यह हमला किसने किया, यह अभी जानकारी तक सामने नहीं आई।

फरवरी से अब तक होर्मुज में हमलो में 100 से ज्यादा भारतीय नाविक प्रभावित हो चुके हैं। वहीं, इन हमलों में 11 भारतीय नाविकों की जान गई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इससे पहले मंगलवार को बताया था कि इस क्षेत्र में चल रहे व्यावसायिक जहाजों पर 4500 से ज्यादा भारतीय नाविक सवार हैं। जायसवाल के मुताबिक, इस समय फारस की खाड़ी में भारत के झंडे वाले 6 कमर्शियल जहाज हैं।

भारतीय हाई कमिश्नर बोले- हसीना को पनाह देना मजबूरी थी

उन्हें बांग्लादेश भेजने की प्रकिया जारी; तख्तापलट के बाद 2 साल से भारत में पूर्व पीएम

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई दिल्ली

बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना को पनाह देना भारत की मजबूरी थी। अगर भारत उन्हें उतरने की अनुमति नहीं देता तो स्थिति खराब हो सकती थी। यह बात बांग्लादेश में भारत के हाई कमिश्नर दिनेश त्रिवेदी ने बे ऑफ बंगाल कन्वर्सेशन कार्यक्रम में शनिवार को कही है।

एक छात्र ने त्रिवेदी से पूछा कि हमारे लोगों की हत्या करने वाली शेख हसीना कब हमारे मुल्क वापस लायी जाएंगी? जवाब में त्रिवेदी ने कहा कि कानूनी प्रक्रिया जारी है। हसीना को बांग्लादेश कब भेजा जाएगा, इसकी समयसीमा नहीं बताई जा सकती।

सत्ता से हटने के बाद वे 5



अगस्त 2024 को भारत आई थीं। बीते दो साल से हसीना भारत में रह रहीं हैं। हसीना के भारत आने देने के फैसले पर भी त्रिवेदी ने जवाब दिया। उन्होंने कहा कि 5 अगस्त 2024 को जब हसीना ने ढाका छोड़ा, तब भी वे बांग्लादेश की प्रधानमंत्री थीं और वहां हालात तेजी से बदल रहे थे। त्रिवेदी ने कहा कि उस समय भारत के पास हसीना को दिल्ली में उतरने की अनुमति देने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। अगर भारत उन्हें उतरने की अनुमति नहीं देता तो स्थिति खराब हो सकती थी।

त्रिवेदी ने यह भी स्पष्ट किया कि हसीना को भारत भारतीय वायुसेना या भारतीय सेना नहीं लाई थी। उन्हें बांग्लादेश एयरफोर्स के विमान से भारत लाया गया था।

हसीना ने कहा था- दिसंबर में लौटूंगी

हसीना ने 5 अगस्त 2026 को कहा था कि वह दिसंबर तक बांग्लादेश लौटेंगी। उठठ को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा था कि वह कानूनी कार्रवाई का सामना करने के लिए तैयार हैं, लेकिन उन्हें सुरक्षा, वकील तक पहुंच, अपना बचाव करने का अधिकार, स्वतंत्र न्यायपालिका और निष्पक्ष सुनवाई चाहिए। उन्होंने किसी भी बैकचैनल बातचीत से इनकार किया था और कहा था कि भारत अब भी उनका दोस्त है। बांग्लादेश लंबे समय से शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग कर रहा है।

रहमान की सरकार कई बार प्रत्यर्पण की मांग कर चुकी

12 फरवरी के चुनाव के बाद तारिक रहमान की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की सरकार सत्ता में आई। इन चुनावों में हसीना की पार्टी अवामी लीग को हिस्सा लेने की अनुमति नहीं थी। नई सरकार ने कई बार हसीना के प्रत्यर्पण की मांग दोहराई है।

हसीना को वापस भेजने का मुद्दा भारत-बांग्लादेश के रिश्तों में तनाव की बड़ी वजह बना हुआ है। इसका असर तारिक रहमान के भारत दौरे पर भी पड़ा है। भारत ने पिछले महीने हुए इफ्क्कर समिट में तारिक रहमान को शामिल होने का न्योता दिया था। इसके अलावा फरवरी से ही भारत की ओर से उन्हें अलग से भारत आने का निमंत्रण दिया गया था। लेकिन प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्होंने एक भी बार भारत का दौरा नहीं किया।

भारत-बांग्लादेश के बीच प्रत्यर्पण संधि है

भारत और बांग्लादेश ने 2013 में प्रत्यर्पण संधि पर हस्ताक्षर किए थे। इसमें कुछ परिस्थितियों में किसी व्यक्ति को दूसरे देश को सौंपने से इनकार करने के प्रावधान हैं। इनमें राजनीतिक प्रकृति के अपराध से जुड़े मामले भी शामिल हैं।

■ वर्ष-12 अंक-331 मूल्य- 2 रु. मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ गुजरात महाराष्ट्र राजस्थान उत्तरप्रदेश उत्तरांचल मालवा डिवीजन 402/2024-2026 आर एन आई क्रमांक 2013/57651

सुभाषितानि

प्रेरक: सूचकश्चैव वाचको दर्शकस्तथा।
शिक्षको बोधकश्चैव षडेते गुरव: स्मृता:।।

भावार्थ : प्रेरणा देनेवाले, सूचन देनेवाले, (सच) बतानेवाले, (रास्ता) दिखानेवाले, शिक्षा देनेवाले, और बोध करानेवाले झ्र ये सब गुरु समान है।

यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत। अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्॥

दैनिक ब्रह्मास्त्र

उज्जैन, रविवासर: 04 अक्टूबर, 2026

विशेषन्यायालयेन पूर्वमेव निर्दोषः कृतः अस्ति

ब्रह्मास्त्र ▸▸ जबलपुर

निर्दोषतायाः अनन्तरं अनिश्चिततायाः अवस्थायां न स्थापयितुं शक्यते अस्य प्रकरणस्य एकः निर्णायकः पक्षः निम्नन्यायालयेन निर्दोषस्य अभियुक्तस्य अधिकारस्य विषये आसीत्। यद्यपि अभियोजनपक्षस्य निर्दोषतायाः विरुद्धं अपीलं कर्तुं कानूनी अधिकारः भवितुम् अर्हति तथापि तस्य अधिकारस्य प्रयोगः निर्धारितप्रक्रियायाः समयसीमायाः च अन्तः एव करणीयः। यदि कश्चन सर्वकारीयविभागः स्वस्य आन्तरिकप्रक्रियाणां पूर्णतायै अत्यधिकं समयं गृह्णाति तर्हि परिणामः न भवितुम् अर्हति यत् निर्दोषस्य कानूनी स्थितिः वर्षाणि यावत् अनिश्चिततायाः अवस्थायां तिष्ठति अस्य आधारेण उच्चन्यायालयः।

राशिफल

मेष : परिवार के किसी सदस्य से मदद मिल सकती है। सेहत सामान्य रहेगी, लेकिन थकान को नजरअंदाज न करें।

वृषभ : किसी बड़े की सलाह काम आ सकती है। खानपान में लापरवाही करने से पेट संबंधी परेशानी हो सकती है।

मिथुन : परिवार में किसी सदस्य की जिम्मेदारी संभालनी पड़ सकती है। मोबाइल पर काम करने से आंखों में थकान हो सकती है।

कर्क : नींद पूरी न होने से थकान महसूस हो सकती है। आराम के लिए थोड़ा समय निकालना जरूरी रहेगा।

सिंह : करियर लाइफ थोड़ी बिजी हो सकती है। साथी के साथ भविष्य से जुड़ी कोई योजना बन सकती है।

कन्या : परिवार में किसी बड़े की सलाह मिल सकती है। मानसिक थकान महसूस होने पर काम से थोड़ा ब्रेक लें।

तुला : साथी के साथ किसी पुराने मुद्दे पर बातचीत करके गलतफहमी दूर कर सकते हैं। परिवार में किसी शुभ काम की चर्चा हो सकती है।

वृश्चिक : परिवार के साथ समय बिताने से मन हल्का होगा। तनाव के कारण सिरदर्द या थकान हो सकती है।

धनु : कोई गुड न्यूज भी मिल सकती है। प्रेम जीवन में अच्छा तालमेल रहेगा। साथी के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा।

मकर : कमर या पैरों में दर्द हो तो आराम करें। धन आपके पास किसी डील के रूप में आ सकता है।

कुंभ : साथी की तरफ से कोई अच्छी खबर मिल सकती है। दोस्तों से मुलाकात या बातचीत मन खुश कर सकती है।

मीन : आर्थिक मामलों में सावधानी जरूरी है। किसी पुरानी गलतफहमी को दूर किया जा सकता है। परिवार का सहयोग मिलेगा।

सम्पादकीयम्

जर्जरभवनानि मूलभूत सुविधानां च अभावः

जर्जरभवनानि मूलभूतसुविधानां च अभावः : देशे सर्वकारीयविद्यालयेषु किमर्थं सुधारः न भवति? जयपुरे जर्जरशासकीयविद्यालयस्य निरीक्षणसम्बद्धे कोकरोचजनतापार्टी भाजपा-पक्षयोः मध्ये राजनैतिकविवादः तीव्रः जातः। विद्यालयेषु मूलभूतसुविधानां अभावः-विद्युत्, जलं, फर्निचरम्-अभावः। मूलभूतसुविधानां कृते उच्चैः स्वराः शिक्षायाः अधिकारः च। जयपुर-घटनायाः अनन्तरं काक-जनता-पक्षस्य भाजपा-पक्षस्य च मध्ये सङ्घर्षः अधिकं वर्धयितुं शक्नोति। यदि अयं अभियानः-प्रारम्भे सर्वकारीयविद्यालयानाम् लेखापरीक्षायै आरब्धः-अतः आरभ्य राजनैतिकवर्णं गृह्णाति तर्हि आश्चर्यं न भविष्यति। काङ्ग्रेस-आपा-पक्षयोः वक्तव्यं पूर्वमेव जारीकृतम् अस्ति। इदानीं भाजपा संस्थापकः अभिजीत दीप्के इत्यनेन उक्तं यत् यदि प्रश्ने विद्यालयस्य मरम्मतकार्यं न आरभ्यते तथा च ४८ घण्टानां अन्तः उत्तरदायीजनाः न गृहीताः तर्हि सः जयपुरं गमिष्यति। अन्येषु शब्देषु अयं विषयः अधिकं व्याप्तः भवितुम् अर्हति। अन्येषु भाजपाशासितराज्येषु अपि भाजपा स्वस्य अभियानं तीव्रं कर्तुं प्रयतते। विद्यालयानां जर्जरदशा : किमर्थं सुधारः नास्ति? परन्तु एतेषां घटनानां परितः कोलाहलस्य मध्ये एकः वैधः प्रश्नः अवशिष्टः अस्ति यत् देशस्य सर्वकारीयविद्यालयानाम् स्थितिः किमर्थं न सुधरति? यत्र भाजपा दलं निरीक्षणार्थं आगतं तत् विद्यालयं स्वयं अस्थायीव्यवस्थानुसारं कार्यं कुर्वन् अस्ति यतोहि मुख्यभवनं भृशं जर्जरदशायां वर्तते। पूर्वं उत्पन्नानां अन्येषां विद्यालयानां चित्राणि अपि सन्तोषजनकाः इति वर्णयितुं न शक्यन्ते।

दुग्धेन धेनुः कुसुमेन वल्ली शीलेन भार्या कमलेन तोयम्।
गुरुं विना भाति न चैव शिष्यः शमेन विद्या नगरी जनेन।।

भावार्थ : जैसे दूध के बिना गाय, फूल के बिना लता, चरित्र के बिना पत्नी, कमल के बिना जल, शांति के बिना विद्या, और लोगों के बिना नगर शोभा नहीं देते, वैसे हि गुरु बिना शिष्य शोभा नहीं देता।

ज्योतिषे सूर्यः पितुः पितृवंशस्य च तात्पर्यं मन्यते

जन्मपत्रिकायां ग्रहस्थानानां आधारेण-यत तेषां जीवने विशिष्टसमस्या केवलं पितृदोष इत्यनेन

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन



ज्योतिषे सूर्यः पितुः पितृवंशस्य च तात्पर्यं मन्यते। अस्य आधारेण सूर्यस्य शनिस्य च विशिष्टसम्बन्धस्य अथवा राहुस्य प्रभावस्य विषये विविधाः ज्योतिषीयव्याख्याः विद्यन्ते। परन्तु एतासां व्याख्यानां विषये सवार्सु ज्योतिषपरम्परासु सहमतिः नास्ति। अतः निश्चितरूपेण निष्कर्षः अनुचितः स्यात्-केवलं व्यक्तिस्य जन्मपत्रिकायां ग्रहस्थानानां आधारेण-यत् तेषां जीवने विशिष्टसमस्या केवलं पितृदोष इत्यनेन एव भवति। सन्ततिसम्बद्धविषयेषु लिङ्गानि कतिपयेषु ज्योतिषीयप्रत्ययेषु पितृदोष गर्भधारणे बाधाभिः अथवा स्वसन्ततिसम्बद्धैः समस्याभिः सह सम्बद्धः भवति। तथैव केचन वास्तुपरम्पराः गृहस्य विशिष्टक्षेत्रेषु असन्तुलनं परिवारेण सह स्वस्य सन्तानेन सह सम्बध्दयन्ति।

तथापि अत्र अपि सावधानता आवश्यकी अस्ति। स्वास्थ्यसम्बद्धानां विषयाणां वास्तविककारणानि-यथा गर्भधारणे कष्टानि-केवलं चिकित्सापरामर्शस्य, परीक्षणस्य च माध्यमेन निर्धारितव्यानि। एतादृशेषु परिस्थितिषु ज्योतिष-वास्तु-उपचारानाम् अनन्यतया अवलम्बनं न प्रशस्तम्।

यदि कश्चन व्यक्तिः स्वस्य आस्थायाः आधारेण धार्मिकसंस्कारं कर्तुम् इच्छति तर्हि एतानि चिकित्सायाः वा व्यावहारिकचिकित्सायाः विकल्पानां अपेक्षया विशिष्टाध्यात्मिकप्रथानां रूपेण द्रष्टव्याः दक्षिणदिशि गुरुत्वविषये विश्वासः वास्तुशास्त्रानुसारं नैरुत्यकोण (दक्षिणपश्चिमकोण) तुल्यकालिकरूपेण भारी स्थापनं अनुशंसितम्। पारम्परिकाः वास्तुसिद्धान्ताः अस्मिन् खण्डे भारीन् फर्निचरं, अलमारी, अन्ये वा भारयुक्तानि वस्तूनि स्थापयितुं सूचयन्ति। नैर्ऋत्यदिशि स्थिरतां निर्वाहयित्वा गृहस्य समग्रसन्तुलनं वर्धते इति प्रचलितः विश्वासः। तद्विपरीतम् अस्मिन् क्षेत्रे अत्यधिकं शून्यता अथवा अनावश्यकं संरचनात्मकं कटआउट् वास्तुदोषरूपेण वगीकृतं भवति।

परन्तु गृहे संरचनात्मकपरिवर्तनं कर्तुं पूर्वं वास्तुसिद्धान्तानां पार्श्वे भवनस्य सुरक्षायाः विषये विचारः करणीयः...रक्षणं, प्रकाशः, वायुप्रवाहः, उपयोगिता, वास्तविकआवश्यकता इत्यादीनां कारकानाम् प्राथमिकता अपि अत्यावश्यकम्। अमावास्या पर खीर तथा दीपक (दीप) की परम्परा कतिपय वास्तु धार्मिक मान्यताओं में पितृपक्ष के समय अमावास्या (अमावासी) दिवस पर दक्षिण-पश्चिम दिशा से सम्बद्ध विशिष्ट उपाय विहित एतेषु प्रातःकाले खीर (मधुरं तण्डुलपुडिंग्) अर्पणस्य परम्परा अस्ति-यत् ततः श्वापदं खाद्यते-सायं च सर्षपतैलदीपं प्रज्वलितुं शक्यते। श्वानानां सेवनं, भोजनं च अनेकेषु धर्मपरम्परासु सद्गुणं मन्यते। तथा दीपप्रज्वलनं श्रद्धास्मरणयोः प्रतीकं भवति। एतानि प्रथाः धार्मिकाश्रद्धायाः पारम्परिकप्रत्ययस्य च चक्षुषा द्रष्टव्याः; तेषां प्रभावाः वैज्ञानिकरूपेण सिद्धाः उपायाः इति प्रस्तुतुं न शक्यन्ते।

श्राद्ध पितृपक्ष के दौरान सर्वोपरि माना वास्तु-सम्बद्ध-उपायानां सङ्गमेन पितृपक्ष-काले तर्पण, श्राद्ध, पिण्ड-दान–पूर्वजानां कृते क्रियमाणानां संस्कारानाम–धर्मपरम्पराः महत् महत्त्वं ददति। पूर्वजस्य निधनानुरूपे विशिष्टे चन्द्रदिने (तिथि) श्राद्ध संस्कारः करणीयः इति प्रथा। यदि मृत्युस्य सटीकतिथिः अज्ञाता अस्ति तर्हि धार्मिकपरम्परायां पितृपक्षस्य अमावास्या दिनाङ्के सर्व-पितृश्राद्धं करणं विहितम् अस्ति। मूलतः एषः संस्कारः स्वस्य पूर्वजानां प्रति आदरस्य, स्मरणस्य, कृतज्ञतायाः च अभिव्यक्तिः अस्ति। सत्यः सन्देशः : संतुलनं कृतज्ञता च पितृदोष (पैतृकक्लेशः) तथा वास्तुदोष (वास्तुशिल्प-असन्तुलनम्) इति विषये चचानां मध्ये सर्वाधिकं महत्त्वपूर्णं बिन्दुः अस्ति यत् पारिवारिकसमस्यानां केवलं एकस्यैव अदृष्टकारणस्य कारणं न दातव्यम्। गृहपर्यावरणं, परिवारस्य सदस्यानां व्यवहारः, आर्थिकानुशासनं, सम्बन्धानां अन्तः संचारः, पूर्वजेभ्यः।

प्रान्तीयपटवारीसङ्घस्य

सदस्यानां पक्षतः अस्य सर्वकारीय-आदेशस्य

ब्रह्मास्त्र ▸▸ भोपाल

याचिकायाः निर्वाहयोग्यतायाः विषये आपत्तिं कृतवन्तः। स्वामित्वयोजनायाः अन्तर्गतं दायित्वं पटवारीभ्यः तेषां व्यक्तिगतक्षमतायां नियुक्तम् इति सर्वकारस्य तर्कः आसीत्। फलतः प्रान्तीयपटवारीसङ्घस्य सदस्यानां पक्षतः अस्य सर्वकारीय-आदेशस्य आव्हानं कर्तुं स्थितिः नासीत्। सर्वकारेण एतस्य आक्षेपस्य अनन्तरं याचिकाकर्ता संघः याचिकां निवृत्तुं अनुमतिं याचितवान्। उच्चन्यायालयेन तत् अनुरोधं स्वीकृतम्।

फलतः अगस्तमासस्य १३ दिनाङ्कस्य आदेशस्य आव्हानं कृत्वा याचिका न्यायालयस्य विचारे न भविष्यति। सम्पत्तिसम्बद्धाः दस्तावेजाः किमर्थं महत्त्वपूर्णाः सन्ति ग्राम्यक्षेत्रेषु बहवः परिवाराः वर्षाणां यावत् स्वसम्पत्तौ निवसन्ति वा निवसन्ति वा, तथापि तेषां स्वामित्वं सिद्धयितुं प्रायः केवलं सीमितं वा जीर्णं वा दस्तावेजं भवति एतादृशे परिदृश्ये औपचारिकस्वामित्वदस्तावेजस्य भवितुं भविष्याय महत्त्वपूर्णं भवितुम् अर्हति। सम्पत्तिदस्तावेजीकरणं केवलं स्वामित्व अधिकारस्थापनपर्यन्तं सीमितं नास्ति; एतादृशाः अभिलेखाः बैंकऋणस्य सुरक्षिततायां, सम्पत्तिस्थानांतरणे, उत्तराधिकारस्य परिवारविभाजनस्य च निबन्धने।

एशियन गेम्स में 4 गोल्ड ज्यादा जीते : शूटिंग-एथलेटिक्स में इस बार 9 स्वर्ण का नुकसान

24 साल बाद लड़कों से आगे हुई भारत की लड़कियां

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई दिल्ली

एशियन गेम्स 2026 में भारत का अभियान पूरा हो चुका है। आखिरी दिन घुड़सवारी के दो गोल्ड मेडल इवेंट हैं लेकिन इनमें कोई भारतीय खिलाड़ी शिरकत नहीं कर रहा है। भारत ने जापान के आइची-नागोया में 21 गोल्ड सहित कुल 85 मेडल जीते हैं।

उज्बेकिस्तान ने भी भारत के बराबर ही गोल्ड जीते हैं लेकिन ज्यादा सिल्वर के आधार पर भारत चौथे स्थान पर है। रविवार को अगर उज्बेकिस्तान कोई गोल्ड नहीं जीतता है तो भारत चौथे स्थान पर ही फिनिश करेगा।



बॉक्सिंग, रेसलिंग में बेहतर हुआ प्रदर्शन, शूटिंग-एथलेटिक्स में पिछड़े

भारत ने 2023 में चीन के ग्वांगझू में हुए एशियन गेम्स में 28 गोल्ड के साथ 106 मेडल जीते थे। तब भारत ने शूटिंग में 7 और एथलेटिक्स में 6 गोल्ड जीते थे। इस बार शूटिंग में 3 और एथलेटिक्स में 1 ही गोल्ड आया। यानी इन दो खेलों में ही भारत को 9 गोल्ड का नुकसान हो गया। भारत ने पिछली बार स्कॉश में 2 और टेनिस, बैडमिंटन और घुड़सवारी में 1-1 गोल्ड जीता था। इन खेलों में इस बार भारत को कोई गोल्ड नहीं मिला। बॉक्सिंग और रेसिलिंग में अच्छे प्रदर्शन ने कुछ हद तक गोल्ड में कमी की भरपाई की है। पिछली बार भारत को इन दोनों खेलों में एक भी गोल्ड नहीं मिला था। इस बार बॉक्सिंग में 3 और रेसलिंग में 2 गोल्ड आए हैं। आर्चरी में भारत ने पिछले प्रदर्शन को दोहराया है।

आगे 5 पॉइंट्स में पढ़िए 2026 एशियन गेम्स का निचोड़-

2002 के बाद पहली बार भारत की लड़कियों को ज्यादा मेडल

बॉक्सिंग, रेसलिंग में बेहतर हुआ प्रदर्शन, शूटिंग-एथलेटिक्स में पिछड़े

टीम इवेंट्स में धाक, हॉकी में गोल्ड के साथ ओलिंपिक टिकट भी

चीन की बादशाहत को 44 साल से कोई चैलेंज नहीं

53 वर्ल्ड रिकॉर्ड और 76 एशियन रिकॉर्ड टूटे

2002 के बाद पहली बार भारत की लड़कियों को ज्यादा मेडल- भारत ने इस बार लड़कियों के इवेंट में 11 तो लड़कों के इवेंट में 7 गोल्ड जीते। 3 गोल्ड मिक्स्ड इवेंट में आए। इससे पहले 2002 में बुसान में हुए एशियन गेम्स में भारत की लड़कियां आगे रही थीं। तब भारत ने लड़कियों के इवेंट में 6 और लड़कों के इवेंट में 5 गोल्ड जीते थे।

टीम इवेंट्स में धाक कायम, हॉकी में गोल्ड के साथ 2 ओलिंपिक टिकट भी- टीम इवेंट्स में भारत ने शानदार प्रदर्शन किया है। क्रिकेट, हॉकी और कबड्डी में भारत ने पुरुष और महिला दोनों वर्गों के गोल्ड मेडल जीते हैं। हॉकी में एशियाड गोल्ड जीतने पर सीधे ओलिंपिक का टिकट मिलता है, लिहाजा भारत की दोनों हॉकी टीम लॉस एंजिल्स में होने वाले 2028 ओलिंपिक के लिए क्वालिफाई कर गई है। यह पहला मौका है जब भारत की दोनों वर्गों की हॉकी टीमों ने एक ही इवेंट में गोल्ड जीता है।

मेडल टैली में 44 साल से चीन की चौधराहट कायम- चीन ने इस बार 169 गोल्ड सहित 341 मेडल जीते हैं। नंबर-2 पर रहे जापान ने 83 गोल्ड जीते हैं। चीन से आधे से भी कम। चीन 1982 से अब तक हर एशियन गेम्स में टेबल टॉपर रहा है। भारत ने पोजीशन के लिहाज से पिछले एशियन गेम्स के प्रदर्शन की बराबरी की है। लेकिन, इस बार 7 गोल्ड सहित कुल 21 मेडल की कमी आई है।

53 वर्ल्ड रिकॉर्ड टूटे, भारतीय तीरंदाजी टीम ने वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी की- इस एशियन गेम्स में अलग-अलग इवेंट्स में कुल 53 वर्ल्ड रिकॉर्ड और 76 एशियन रिकॉर्ड टूटे हैं। साथ ही 166 नए गेम्स रिकॉर्ड भी बने। भारतीय विमेंस कंपाउंड तीरंदाजी टीम ने फाइनल में चीन के खिलाफ 238 पॉइंट्स बनाए। यह वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी है।

ज्योतिष/वास्तु

रिश्तों में संभलकर उठाएं कदम

दिसंबर तक इन राशि वालों की लव लाइफ में आएंगी दिक्कत



आने वाले महीनों में इन चार राशियों को अपने प्रेम संबंधों में संयम, समझदारी और पारदर्शिता बनाए रखनी होगी। छोटी लापरवाही भी रिश्तों में दूरी पैदा कर सकती है, इसलिए भावनाओं से ज्यादा समझदारी से काम लेना लाभकारी रहेगा।

वैदिक ज्योतिष के अनुसार सभी ग्रह समय-समय पर अपनी चाल बदलते रहते हैं और इसका प्रभाव हर राशि के जीवन पर अलग-अलग रूप में देखने को मिलता है। ग्रहों की स्थिति केवल नौकरी, व्यापार, धन और स्वास्थ्य तक ही सीमित नहीं रहती, बल्कि व्यक्ति के प्रेम संबंधों, वैवाहिक जीवन और भावनात्मक रिश्तों पर भी गहरा असर डालती है। वहीं आने वाले महीनों में कुछ विशेष ग्रह परिवर्तन ऐसे संकेत दे रहे हैं कि, दिसंबर 2026 तक कुछ राशियों को अपने रिश्तों में उतार-चढ़ाव, गलतफहमियों और विश्वास की कमी जैसी परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में इन राशि वालों को अपने व्यवहार और भावनाओं पर विशेष ध्यान देने की जरूरत होगी। आइए जानते हैं कौन-सी हैं ये राशियां।

वृषभ राशि- वृषभ राशि के जातकों को प्रेम संबंधों में जल्दबाजी या आंख बंद करके किसी पर भरोसा करने से बचना होगा। बात कम होने से थोड़ी दूरियां महसूस करेंगे। नए लोगों का प्रवेश परेशानियां बढ़ा सकता है। घरेलू मामलों में हल्का तनाव बन सकता है। रिश्तों में छोटी-छोटी बातों को नजरअंदाज करना आगे चलकर बड़ी परेशानी का कारण बन सकता है। यदि आप किसी रिलेशनशिप में हैं तो साथी की बातों को समझने की कोशिश करें।

कन्या राशि- कन्या राशि वालों के लिए आने वाला समय वैवाहिक और प्रेम जीवन के लिहाज से थोड़ा चुनौतीपूर्ण रह सकता है। साथी से अनबन मन को परेशान करेगी और उनका व्यवहार आपकी भावनाओं को प्रभावित कर सकता है। ग्रहों की स्थिति ऐसी बन रही है जिससे साथी के साथ विचारों में मतभेद बढ़ सकते हैं। जो लोग पहले से रिश्ते में हैं उन्हें अपने स्वभाव में कठोरता कम करनी होगी, क्योंकि ज्यादा अपेक्षाएं संबंधों में तनाव पैदा कर सकती हैं। शक या गलतफहमी संबंधों को कमजोर कर सकती है। रिश्तों में थोड़ी बेचैनी महसूस हो सकती है।

मीन राशि- मीन राशि के जातकों के प्रेम जीवन में भावनात्मक अस्थिरता देखने को मिल सकती है। इस समय किसी पुराने विवाद या बीती बातों के कारण रिश्ते में तनाव बढ़ने की संभावना बन रही है। छोटी-सी लापरवाही भी नुकसान दे सकती है। कई बार आपको लग सकता है कि, साथी आपकी बातों को समझ नहीं रहा है। खुलकर अपनी भावनाएं साझा करना आपके लिए बेहतर साबित होगा। शादी की बात चल रही है तो कुछ कारणों से देरी या रुकावट देखने को मिल सकती है। व्यापारिक साझेदारी में भी लाभ मिलने की संभावना है।

तीसरी बार 350 रन बनाने के बावजूद हारा भारत

रोहित सबसे तेज 10 हजार वनडे रन बनाने वाले ओपनर, वेस्टइंडीज का सबसे बड़ा रनचेज

ब्रह्मास्त्र ▸▸ न्यू चंडीगढ़

वेस्टइंडीज ने भारत को तीसरे वनडे में 5 विकेट से हरा दिया। न्यू चंडीगढ़ में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट पर 351 रन बनाए थे। इसके बावजूद उसे हार झेलनी पड़ी। यह तीसरा मौका है, जब टीम 350+ रन बनाकर भी हार गई।

शनिवार को वेस्टइंडीज ने 48.2 ओवर में टारगेट हासिल किया। यह टीम का वनडे में सबसे बड़ा सफल रनचेज भी है। रोहित शर्मा बतौर ओपनर सबसे तेज 10 हजार रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ा।

भारत 350+ रन भी डिफेंड नहीं कर सकी- भारत को तीसरी बार 350+ रन बनाने के बाद भी हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले 2019 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ, 2025 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ ऐसा हुआ था।

सचिन-जयसूर्या का क्लब में शामिल हुए रोहित- रोहित शर्मा ने वनडे में ओपनर के तौर पर 10 हजार रन पूरे किए। वे यह



उपलब्धि हासिल करने वाले चौथे बल्लेबाज हैं। उनसे पहले सचिन तेंदुलकर, सनथ जयसूर्या और क्रिस ने यह उपलब्धि हासिल की। रोहित सबसे कम 202 पारियों में इस मुकाम तक पहुंचे। उनसे पहले सचिन ने 214 पारियों में 10 हजार रन बनाए थे।

रोहित 75वीं बार 100+ रन की साझेदारी में शामिल हुए- रोहित ने ऋतुराज के साथ तीसरे विकेट के लिए 137 रन की साझेदारी की। वे 75वीं बार 100+ रन की साझेदारी में शामिल हुए। सबसे ज्यादा शतकीय साझेदारी के मामले में वे तीसरे नंबर पर हैं।

भारत ने 7.43 के रनरेट से बल्लेबाजी की

भारत ने वनडे सीरीज में 7.43 के रन रेट से रन बनाए। यह 3 या उससे ज्यादा मैचों वाली द्विपक्षीय वनडे सीरीज में सबसे ज्यादा रन रेट है। दूसरे नंबर पर इंग्लैंड है। टीम ने 2015 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 7.15 के रनरेट से बल्लेबाजी की थी। भारत ने 7 विकेट पर 351 रन बनाए। टीम ने 45वीं बार वनडे में 350+ का टोटल बनाया। साउथ अफ्रीका 36 बार के साथ दूसरे नंबर पर है। भारत ने 3 मैचों में 45 छक्के लगाए। यह तीन मैचों की द्विपक्षीय वनडे सीरीज में किसी टीम के सबसे ज्यादा छक्के हैं। इससे पहले इंग्लैंड ने 2021 में तीन मैचों में भारत के खिलाफ ही 37 छक्के लगाए थे। भारत किसी भी द्विपक्षीय सीरीज में सबसे ज्यादा छक्के लगाने में इंग्लैंड के साथ चौथे नंबर पर है। विराट कोहली को वनडे में पहली गेंद पर आउट करने वाले जेडन सील्स चौथे गेंदबाज बन गए। इस लिस्ट में 3 वेस्टइंडीज के प्लेयर हैं।

ब्राजील ने भारत को फुटबॉल मैच में 4-0 से हराया

ब्रह्मास्त्र ▸▸ कोलकाता

ब्राजील ने कोलकाता में फुटबॉल मैच में भारत को 4-0 से हरा दिया। ब्राजील के लिए लीनो ने 2 गोल दागे। वहीं एस्टेवाओ और पेड्रो ने एक-एक गोल किया। भारत ने शुरूआत में अच्छी डिफेंसिव शेप रखी। 15वें मिनट में मनवीर सिंह लंबी गेंद पर आगे निकल गए थे, लेकिन मारक्विन्होस ने पीछे से आकर गेंद छीन ली। 20वें मिनट में विनिसियस के क्रॉस को गुरप्रीत ने कॉर्नर के लिए बाहर किया। भारत ने भी काउंटर पर मौके बनाए, लेकिन फाइनल पास और शॉट में कमी रही। एस्टेवाओ ने बॉक्स के किनारे से शानदार शॉट लगाकर भारत के गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू को छकाया। गुरप्रीत का हाथ गेंद तक पहुंचा, लेकिन गेंद उनके नीचे से निकलकर गोल में चली गई। एस्टेवाओ ने दाईं ओर से पेड्रो को पास दिया। पेड्रो ने एंगल से शॉट लिया, जो गुरप्रीत के हाथ के नीचे से निकलकर नेट में पहुंच गया। इससे पहले 36वें मिनट में पेड्रो का हेडर पोस्ट से टकराया था। हाफटाइम तक भारत गोल के लिए कोई बड़ा मौका नहीं बना सका।

खबर एक नजर...

हार्वेस्टर मशीन की चपेट में आई महिला की मौत

उज्जैन। देवास के टोकखुर्द से कांताबाई पति मांगीलाल नरवरिया 56 साल को शनिवार शाम परिवार के लोग चरक अस्पताल उज्जैन लेकर पहुंचे थे। डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद मृत घोषित करते हुये शव को पोस्टमार्टम कक्ष भेजा और कोतवाली थाना पुलिस को सूचना दी। कांताबाई के पुत्र राहुल ने बताया कि मां सोयाबीन कटाई की मजदूरी के लिये गांव में गई थी। वह सेड़े पर बैठी थी उसी दौरान खेत में चल रही हार्वेस्टर मशीन के चालक ने तेजगति से रिवर्स लिया और चढ़ा दी। मशीन के नीचे दबने से गंभीर रूप से घायल हुई मां को उपचार के लिये उज्जैन लाया जा रहा था रास्ते में मौत हो गई। कोतवाली थाना पुलिस के अनुसार रविवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद मर्ग डायरी जांच के लिये टोकखुर्द थाना पुलिस को भेजी जायेगी।

कुर्क संपति न्यायालय में पेश लगाकर की अमानत में खयानत

उज्जैन। न्यायालय द्वारा विवादित मामले में श्रीराम मार्केट डाबरी पीठा में किशोर टेलर की दुकान से सिलाई मशीन को कुर्क करने के आदेश 20 मार्च 2025 को जारी किये थी। प्रक्रिया के तहत सिलाई मशीन कुर्क करने के बाद किशोर टेलर के सुपुर्द की गई थी और न्यायालय का आदेश होने पर प्रस्तुत करने के निर्देश जारी किये थे। कुछ दिनों पहले प्रकरण में सुनवाई होने पर कुर्क सिलाई मशीन न्यायालय में प्रस्तुत करने के निर्देश किशोर को दिये गये, लेकिन उसने मशीन प्रस्तुत नहीं की। जिसके चलते उसके खिलाफ अमानत में खयानत करने का प्रकरण दर्ज करने के आदेश जारी किये गये। खाराकुआ थाना पुलिस ने मामले में प्रकरण दर्ज किया है।

उधार रुपए लौटने का कहा तो युवक को मारा चाकू

उज्जैन। महिदपुर के बैरजाली में रहने वाले बख्तावर पिता इनायत खान ने कुछ महिनों पहले परिचित नासिर को रुपए उधार दिये थे। कुछ दिन में वापस लौटाने की बात हुई थी। लेकिन काफी दिनों से नासिर रुपए लौटाने में आनाकानी कर रहा था। शुक्रवार रात बख्तावर ने अपने घर के बाहर से निकल रहे नासिर को देखा और रोककर रुपए मांगे तो नासिर ने चाकू से हमला कर दिया और जान से मारने की धमकी देकर भाग निकला। महिदपुर थाना पुलिस ने मामले में प्रकरण दर्ज कर नासिर की तलाश शुरू की है।

गोबर फेंकने की बात पर 2 परिवारों में हुई मारपीट

उज्जैन। ग्राम पिटलावदिया में दो भाईयों प्रदीप पिता रामचंद्र धाकड़ और परमानंद धाकड़ के परिवार में घर के सामने गोबर फेंकने की बात पर विवाद हो गया। दोनों का परिवार एक-दूसरे पर टूट पड़ा और मारपीट शुरू कर दी। दोनों ओर से जान से मारने की धमकी दी गई। मामला बड़नगर थाना पुलिस के पास पहुंचा तो भाईयों का विवाद होने पर क्रास प्रकरण दर्ज किया गया।

लापता वृद्धा का क्षिप्रा नदी से मिला शव

उज्जैन। महिदपुर क्षिप्रा नदी से शनिवार शाम एक वृद्धा का शव मिलना सामने आया। वृद्धा की पहचान कुछ देर में कर ली गई। परिजनों ने बताया कि सुबह से लापता थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच में लिया है। महिदपुर थाना प्रभारी अशोक कुमार पाटीदार ने बताया कि गंगावाड़ी के पास क्षिप्रा नदी में एक महिला का शव दिखाई देने पर ग्रामीणों ने सूचना दी थी। मौके पर एएसआई पन्नालाल अलावे प्रधान आरक्षक जितेंद्र, आरक्षक राघव और सुखदेव पहुंचे। शव को बाहर निकाला गया, मृतक महिला 70 से 75 साल की होना सामने आई। उसकी पहचान के प्रयास शुरू किये। कुछ देर में पता चला की मृतक वृद्धा तिलक पथ की रहने वाली पुष्पाबाई पति भैरूलाल 75 साल है। पुत्र ने मौके पर पहुंच शिनाख्त की और बताया कि मां का मानसिक संतुलन ठीक नहीं था वह सुबह से लापता थी। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम किया, रविवार सुबह पोस्टमार्टम कराया जायेगा।

ढांचा भवन में युवक पर चाकू से हमला

उज्जैन। ढांचा भवन में शनिवार शाम उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, चार बदमाशों ने एक युवक पर चाकू से ताबातोड़ वार करना शुरू दिया। युवक खून से लथपथ हो गया और जमीन पर गिर पड़ा। हमला करने वाले बाइक पर सवार होकर भाग निकले। चिमनगंज थाना पुलिस ने बताया कि ढांचा भवन में रहने वाले तुषार पिता विनोद भंडारी 22 साल पर चाकू से हमला होने की सूचना मिलते ही पुलिस पहुंच गई थी। मेन रोड पर हुई चाकूबाजी में घायल को अस्पताल ले जाया गया था, मौके पर खून फैला हुआ था। पुलिस चरक अस्पताल पहुंची और घायल के बयान दर्ज किये। उसने बताया कि हमला करने वालों में मदन यादव, सुमित, पवन और एक अन्य थे। चारों बाइक से आये थे। घायल द्वारा पुराना विवाद होना बताया जा रहा था। पुलिस ने जानकारी जुटाई तो सामने आया कि विवाद ढांचा भवन में रहने वाली महिला से जुड़ा है, हमला करने वालों में महिला का पति मदन यादव शामिल है। घायल युवक मदन की पत्नी से बातचीत करता था, जो मदन से विवाद के चलते अलग रहती है। थाना प्रभारी विवेक कनोड़िया ने बताया कि युवक को सिर, गर्दन और पैरों पर चाकू लगे है, मामले में प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की गई है। हमला करने वाले भी ढांचा भवन के रहने वाले है, जो फिलहाल घरों से फरार है।

कलेक्टर झ्रएसपी से बंद कमरे में की मुलाकात

मस्जिद का मिनारा गिरना जांच का विषय है-आरिफ मसूद

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

भोपाल मध्य के कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद शनिवार को उज्जैन आए। उन्होंने यहां कलेक्टर रोशन कुमार सिंह एवं एसपी प्रदीप शर्मा से बंद कमरे में चर्चा के बाद मिडिया को दिए बयान में कहा कि दुकानों के ऊपर छज्जे थे, वो गिरना था और गिराते वक्त अचानक एकदम मीनारा गिरना, वो स्वाभाविक है जाँच का विषय है। उस पर जाँच होना चाहिए। ये हमने कलेक्टर को भी कहा और एसपी साहब से ये भी कहा है कि बेजा जो धरपकड़ लड़कों की चल रही है ये ना करें, क्योंकि बहुत ज्यादा घरों से लोग फोन आ रहे हैं।

शनिवार शाम उज्जैन पहुंचे विधायक मसूद ने बताया कि पहले तो जो पुराने सदर थे अरशद, उनसे पुराना रिश्ता रहा और पिटीशन जिस दिन लगी, अभी दूसरे दिन जो लगी थी उसमें भी हम दोनों साथ थे, बात कर रहे थे। तो उनका ऐसा अचानक इंतकाल होने पर जाहिर है मुझे वहाँ के लिए आना था क्योंकि परसों जब ये हादसा हुआ मैं दिल्ली था।

दूसरा एक बड़ा मुद्दा ये है कि यहाँ आने के बाद लगातार जिस तरह से प्रशासन काम कर रहा है, उस बीच में मस्जिद के बारे में आप सब जानते हैं - दुकानें थी, दुकानों के ऊपर छज्जे थे, वो गिरना था और गिराते वक्त अचानक एकदम मीनारा गिरना, वो स्वाभाविक है जाँच का विषय है। उस पर जाँच होना चाहिए। ये हमने कलेक्टर को भी कहा और एसपी साहब से ये भी कहा है कि बेजा जो धरपकड़ लड़कों की चल रही है ये ना करें, क्योंकि बहुत ज्यादा घरों से लोग फोन आ रहे हैं। जाहिर है कि रहा होगा, कोई भीड़ में खड़ा भी हो सकता है तो फुटेज देखे जाए और जो एफआईआर हुई है उसके अलावा ना पकड़ा जाए।

तीसरा मुद्दा जिस पे हमारा परसों कमिटमेंट हुआ था सभी वरिष्ठ अधिकारियों के साथ टेलीफोन पर, के जल्दी से जो हिस्सा मस्जिद का गिरने की वजह से क्षतिग्रस्त हुआ है उसको बना दिया जाएगा। तो इन्होंने हमसे कहा कि एक माह के अंदर हम पूर्ण कर दें, काम शुरू हो गया है और मैं सबसे उम्मीद करूँगा कि संयम रखें। बेजा एक दूसरों पर आरोप ना लगाए, ना लड़े, ना कमेटियाँ आपस में एक दूसरे पे बयान दे। ना पब्लिक से । मैं भी आपके बीच दरखास्त करूँगा कि उज्जैन का एक अच्छा माहौल, एक अच्छा प्रोग्राम होने जा रहा है तो मेहरबानी करके संयम रखें और मिल-जुलकर एक सही रास्ता निकाले और मस्जिद पूरी है।ये मुझे बताया, मैं खुद देखूँगा। एआईएमआईएम के अध्यक्ष की शहरकाजी पर की गई टिप्पणी को लेकर उन्होंने कहा कि मैंने पहले ही कहा कि वो चाहे कोई भी हो सबसे दरखास्त करूँगा कि इस वक्त हालात में ये सोचने की जरूरत है कि लोगों की परेशानियाँ बढ़े ना और परेशानियों को कम किया जाए, टीका-णी नहीं करना चाहिए।

मिस कम्यूनिकेशन हुआ

पथराव एवं विवाद के मुद्दे पर उनका कहना था कि बहुत सारे लड़के गुस्से में, उसका कहीं ना कहीं मिस कम्यूनिकेशन हुआ है क्योंकि जो रात में लोग यहां थे ,हम लोगों तक मैसेज था वो कुछ और था, शायद उनको संतुष्ट नहीं कर सके। तो जो भी मिस कम्यूनिकेशन हुआ है लेकिन इतना बड़ी चीज नहीं है कि हम अपने पे भी उँगली उठा दें एकदम और हम बीच में ले जाए। मैंने कहा संयम रहकर शांति का रास्ता करें और पूरे उज्जैन के लोगों से कहता हूँ कि धन्यवाद, आपको खास तौर से यहाँ के मुसलमानों को कहता हूँ धन्यवाद कि आपके वहाँ जमा होने से गांधीवादी तरीके से एक अच्छा रास्ता निकला, उसको खराब ना करें और शांति बनाए।

गोपाल मंदिर क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था में तैनात पुलिस की मुस्तैदी का बदमाशों ने उठाया फायदा

वृदांवन कालोनी में 4 मकानों के ताले टूटे

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन



गोपाल मंदिर क्षेत्र में कानून व्यवस्था के साथ सुरक्षा व्यवस्था तैनात पुलिस की मुस्तैदी का शुक्रवार-शनिवार रात बदमाशों ने फायदा उठाया और इंदौररोड स्थित वृदांवन कालोनी में 4 मकानों पर धावा बोला। चोरी का मामला सामने आने पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है।

नानाखेड़ा थाना पुलिस को शनिवार सुबह सूचना मिली कि रात में बदमाशों ने वृदांवन कालोनी में 4 मकानों के ताले तोड़कर वारदात को अंजाम दिया है। एसआई अनिल ठाकुर टीम के साथ पहुंचे और जांच शुरू की। पता चला कि बदमाशों ने अजय मालवीय, प्रदीप पांड्या, मुकेश राठौर के मकान के साथ एक अन्य मकान का ताला तोड़ा है। अजय मालवीय के मकान से सोने-चांदी के आभूषण और कुछ नगदी चोरी हुआ है। प्रदीप पंड्या के मकान से भी चांदी के आभूषण चोरी हुये है। वहीं मुकेश राठौर के घर से पूजन में रखी कुछ नगद राशि गायब है। चौथा मकान खाली था जहां से कुछ चोरी होना सामने नहीं आया है। जांच के दौरान पता चला कि बदमाश विजय राठौर की बाइक भी चुराकर ले गये है। पुलिस ने बदमाशों का पता लगाने के लिये आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज देखना शुरू किये है। बताया जा रहा है कि बदमाशों की संख्या 2 से 3 थी। पुलिस उनके भागने वाले रास्ता का पता लगा रही है। बदमाशों के बाहरी होने का शक भी जताया गया है।

लगातार सामने आ रही चोरी की वारदात- शहर में पिछले कुछ महिनों से लगातार चोरी की वारदात होना सामने आ रहा है। बदमाश हर क्षेत्र में सूने मकानों, दुकानों और गोदामों का निशाना बना रहे है। कुछ वारदातों में पुलिस ने बदमाशों को गिरफ्तार किया है, जो बाहरी होना सामने आये है। बावजूद चोरी की वारदाते कम नहीं हो रही है। बदमाश संपति चोरी के साथ शहर में वाहन चोरी की वारदातों को भी अंजाम दे रहे है।

चारों परिवार शहर से गये थे बाहर

वृदांवनधाम कालोनी में जिन मकानों में चोरी होना सामने आया है उन मकानों में रहने वाला परिवार शहर से बाहर गया था। तीन परिवार लौटकर आ चुके है। अजय मालवीय वारदात के समय इंदौर में थे। प्रदीप पंड्या परिवार में हुई गमी के चलते तराना गये हुये थे। वहीं मुकेश राठौर सेना से सेवानिवृत्त है जो अपने ससुराल में थे। पहले खबर फैली थी कि सेवानिवृत्त मुकेश राठौर के घर से बदमाश बंदूक और कारतूस चुराकर ले गये है। लेकिन पुलिस की जांच में बंदूक और कारतूत घर में मिलना सामने आये।

दुर्घटना में 4 की मौत के बाद वाहन चालकों पर केस दर्ज

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

पिछले कुछ दिनों में चार थान क्षेत्र में हुई दुर्घटना के मामले में घायलों की मौत होने पर पुलिस द्वारा चार वाहन चालकों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किये गये है। खाचरौद पुलिस ने 13 सितंबर को मडावदा फेटे पर हुई दुर्घटना में 9 साल के शुभम पिता धर्मेन्द्र बागरी उमरिया खालसा की मौत के मामले में कार चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। बड़नगर थाना पुलिस ने 29 सितंबर को केसुरोड चौपाटी के पास हुई दुर्घटना में 12 वर्षीय अयान पिता अफसर पटेल निवासी ग्राम भोमलवास की मौत होने पर ट्राला चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने का प्रकरण दर्ज किया है। तीसरा मामला नरवर थाना क्षेत्र में 19 सितंबर का है। पालखंदा में कार चालक ने बाइक पर सवार विजय पिता राजाराम परमार निवासी सिविल लाइन देवास की उपचार के दौरान हुई मौत के मामले में कार चालक और उन्हेल थाना पुलिस ने 2 अक्टूबर को खजूरिया खाल में सड़क दुर्घटना के दौरान 10 साल के जिगर पिता लोकेश भोपा की मौत के मामले में अज्ञात बाइक चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया है। पुलिस को 3 वाहनों के नम्बर मिले है, जिनको जप्त कर चालकों को गिरफ्तार किया जायेगा।



फ्लैग मार्च के दौरान गुंडों को दी चेतावनी

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन



आगामी त्यौहारों को देखते हुये शनिवार को महिदपुर में एएसपी करणदीपसिंह के नेतृत्व में एसडीओपी जेंडेन लिंगजेरपा थाना प्रभारी अशोक पाटीदार ने थाना स्टॉफ और आरएएफ ब्रेवो/100 बटालियन के साथ कस्बे में फ्लैग मार्च निकाला। जिसका उद्देश्य आम जनता में सुरक्षा का भाव पैदा करना और कानून व्यवस्था को चुनौती देने वालों को कड़ा संदेश देना था।

थाना प्रभारी पाटीदार ने बताया कि आगामी दुर्गा उत्सव का पर्व नवरात्री शांति और सोहार्द्र के साथ मनाया जा सके इसको लेकर फ्लैग मार्च थाना परिसर से शुरू होकर नगर अयोध्या बस्ती चौराहा, अम्बेडकर चौराहा, राजेन्द्रमार्ग, चौकबाजार, किशनगंज दरवाजा, घाटी मोहल्ला, बैरजाली, दिलदारपुरा, यादव मोहल्ला, मोती मस्जिद होता हुआ रामलीला मैदान से गुजरा। इस दौरान निगरानी गुंडे-बदमाशों को कानून व्यवस्था का पालन करने की चेतावनी दी गई। प्रशासन ने यह भी साफ किया कि सोशल मीडिया पर किसी भी तरह की भड़काऊ पोस्ट या अफवाह फैलाने वालों पर पैनी नजर रखी जा रही है। माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वाले असमाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

युवक बुरी तरह झुलसा, मकान की गिरी दीवार

बीडी जलाते ही गैस सिलेंडर में हुआ ब्लास्ट

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन



तिरूपतिधाम कालोनी में शनिवार सुबह गैस सिलेंडर में ब्लास्ट हो गया। एक युवक बुरी तरह झुलस गया, जिसे चरक अस्पताल लाया गया लेकिन हालत गंभीर देख डॉक्टरों ने इंदौर रैफर कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चिमनगंज थाना पुलिस ने बताया कि कानीपुरा मार्ग तिरूपतिधाम कालोनी में सुबह धमाका होने की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। इस दौरान मकान की दीवार टूटी और एक युवक गंभीर झुलसी हालत में मिला। उसे चरक अस्पताल लाया गया, जहां उसका नाम संदीप पिता मिश्रीलाल 22 साल होना सामने आया। युवक ने बताया कि वह कुछ माह पहले ही किराये से रहने आया था। क्षिप्रा गैस एजेंसी पर काम करता है, सुबह बीड़ी जलाने के लिये माचिस जलाई थी उसी वक्त धमाका हो गया। युवक ने आशंका जताई कि रात में सिलेंडर से गैस रिसाव हुआ था, जिसकी वजह से सिलेंडर फटा है।

धमाके की आवाज से क्षेत्र में फैली दहशत- बताया जा रहा है कि गैस सिलेंडर में हुये धमाके बाद आसपास के लोगों मे दहशत फैल गई थी, मकान टूटा देख लोग ओर भयभीत हो गये। मकान में झुलसे संदीप का दोस्त देवीलाल भी था, लेकिन वह नहाने के लिये गया था, जिसके चलते वह सुरक्षित बच गया। थाना प्रभारी विवेक कनोडिया के अनुसार घायल और सुरक्षित बचे युवक के बयान दर्ज कर मामले में जांच शुरू की जायेगी।

सुप्रीम कोर्ट में अपील के लिये 8 दिनों का मिला है पेरोल

अहमदाबाद धमाकों के आतंकी को लाया गया उज्जैन

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन



अहमदाबाद बम धमाकों में उम्रकैद की सजा काट रहे आंतकी को 8 दिनों की पेराल मिलने पर उज्जैन लाया गया है। आतंकी अपनी सजा को लेकर सुप्रीम कोर्ट में अपील करना चाहता था। जिसके लिये उसे पैसों की जरूरत है। परिवार से आर्थिक मदद के लिये उसने पेरोल मांगा था।

चिमनगंज थाना क्षेत्र के आगररोड स्थित मित्रनगर में रहने वाला मोहम्मद शरीफ अंसारी अहमदाबाद सीरियल धमाकों का दोषी आतंकी है। उसे उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। वह 2008 से गुजरात की साबरमती जेल में बंद है। उसके द्वारा अपनी सजा को लेकर सुप्रीम कोर्ट में अपील करना है। उसने अहमदाबाद हाईकोर्ट से 8 दिनों का पेरोल मांगा था, ताकि वह परिवार से मिलकर अपील के लिये फंड की व्यवस्था कर सके। पेरोल मिलते ही गुजरात पुलिस की टीम उज्जैन लेकर पहुंची। आतंकी के आने पर चिमनगंज थाना पुलिस भी मित्र नगर पहुंच गई थी। गुजरात और उज्जैन पुलिस उसकी निगरानी में तैनात की गई है। उसकी हर गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। चिमनगंज थाना प्रभारी विवेक कनोड़िया ने बताया कि पेरोल अवधि खत्म होने पर उसे गुजरात पुलिस वापस साबरमती जेल लेकर जायेगी। शरीफ अंसारी सालभर पहले भी चार दिनों की पेरोल पर अपनी बेटी की शादी में शामिल होने के लिये उज्जैन आया था। कुछ माह पहले बम धमाकों का दूसरा आतंकी अबरार बेगमबाग कालोनी भी पेरोल अपनी बेटी की शादी में शमिल होने गुजरात पुलिस की कस्टडी में उज्जैन आया था।

बम धमाकों में उज्जैन के यह आतंकी

2008 अहमदाबाद बम धमाकों में 56 लोगों की मौत हुई थी और 200 से अधिक घायल हुये थे। आतंकी घटना के बाद उज्जैन के रहने वाले सफदर नागौरी, कमरूद्दीन नागौरी, मोहम्मद अबरार, मोहम्मद शफीक अंसारी, परवेज आमील शामिल होना सामने आये थे। बम धमाकों से जुड़े 49 आतंकियों को वर्ष 2022 में सजा सुनाई गई थी। जिसमें 30 का फांसी और 11 का उम्रकैद मिली है।

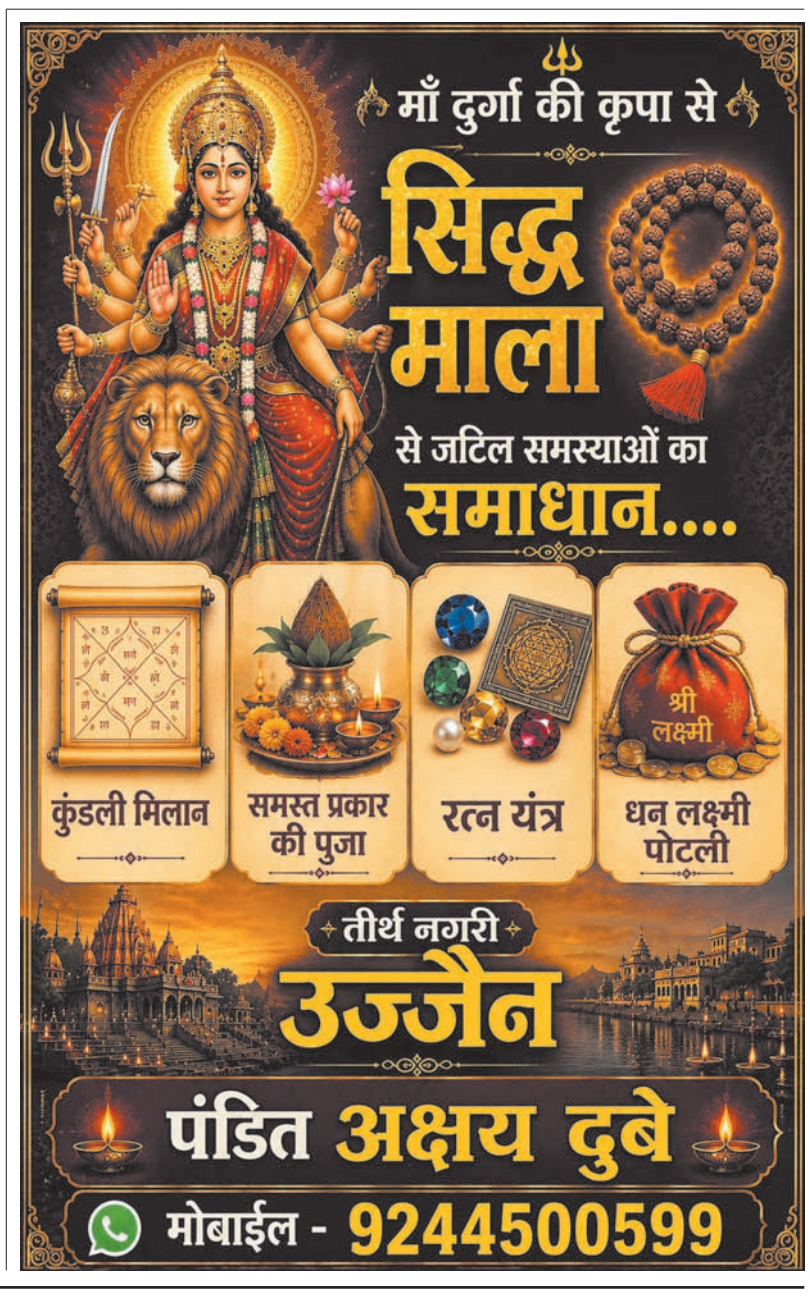
सुसनेर नगर परिषद अध्यक्ष उप निर्वाचन में भाजपा की जीत



ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

आगर-मालवा जिले के सुसनेर तहसील मुख्यालय नगर परिषद अध्यक्ष उप निर्वाचन में भाजपा ने जीत दर्ज की है। अध्यक्ष पद के उप निर्वाचन में भारतीय जनता पार्टी के अभ्यर्थी श्री प्रदीप बद्रीलाल सोनी को 5663 मत एवं इंडियन नेशनल कांग्रेस के अभ्यर्थी श्री विष्णु प्रसाद पाटीदार को 4703 मत प्राप्त हुए। रिटर्निंग अधिकारी देव कुंवर सोलंकी ने राउंड वार मतगणना परिणाम की घोषणा की।

नगर परिषद अध्यक्ष के उप निर्वाचन के लिए 29 सितम्बर को हुए मतदान की मतगणना शनिवार को आईटीआई सुसनेर में सम्पन्न हुई। रिटर्निंग अधिकारी श्रीमती देव कुंवर सोलंकी ने राउंड वार मतगणना परिणाम की घोषणा की। उन्होंने बताया कि नगर परिषद के अध्यक्ष पद के उप निर्वाचन में भारतीय जनता पार्टी के अभ्यर्थी श्री प्रदीप बद्रीलाल सोनी को 5663 मत एवं इंडियन नेशनल कांग्रेस के अभ्यर्थी श्री विष्णु प्रसाद पाटीदार को 4703 मत प्राप्त हुए। इस प्रकार श्री प्रदीप बद्रीलाल सोनी नगर परिषद सुसनेर के अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं। अध्यक्ष पद लक्ष्मी राहुल सिसौदिया के त्यागपत्र से रिक्त हुआ था।



स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संदीप मेहता द्वारा अवंतिका ऑफसेट 2, महाकाल मंदिर मार्ग, मालीपुरा, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-संदीप मेहता 9827771777 फोन : 0734-4012777 Email -dainikbrahmastra@gmail.com